स्नातक हिन्दी पाठ्यक्रम

(नई शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप)

हिन्दी तथा आधुनिक भारतीय भाषा विभाग

महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ

परिकल्पना एवं पाठ्यक्रम लक्ष्य

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 भाषा और साहित्य को पारम्परिक ज्ञान-क्षितिजों के साथ नए सन्दर्भों में देखने की हिमायत करती है। राष्ट्र, राज्य की आधारभूत संकल्पनाओं, राष्ट्रीयता की आधारभूत समझ, परिवर्तनकामी भारतीय आंदोलनों, जैसे- नाथों-सिद्धों का हस्तक्षेप, भक्तिकालीन जनक्षेत्र का निर्माण, भारतीय स्वाधीनता संग्राम के साथ ही विज्ञान और प्रौद्योगिकी के साथ रिश्तों की पहचान एवं सरकारी, गैर सरकारी व कार्पोरेट जगत की माँगों के अनुरूप नए सन्दर्भों की तलाश और अंतरवर्ती धारा के रूप में साहित्यबोध तथा शास्त्रबोध की व्यापक समझ साहित्य के पाठ्यक्रम की आधारभूत आवश्यकता है। इसे ध्यान में रखते हुए उच्च शिक्षा द्वारा प्रेषित समान पाठ्यक्रम में अपेक्षित और निर्धारित संशोधन करते हुए बी.ए. हिन्दी पाठ्यक्रम का निर्माण किया गया है। मेजर, माइनर एवं वोकेशनल पाठयक्रमों का निर्माण इस प्रक्रिया को समग्र रूप में पाठयक्रम अभिकल्पना में सामने लाने का प्रयास करता है। हिन्दी अध्यापन, प्रिंट और विजुअल मीडिया, धारावाहिक और पटकथा लेखन, विज्ञापन और अनुवाद आदि अनेक आवश्यकताओं के आलोक में पाठ्यक्रम की संकल्पना आकार प्राप्त की है।पाठ्यक्रम उद्देश्यों को अग्रलिखित बिन्दुओं के आलोक में और भी बेहतर ढंग से समझना सम्भव है-

- भारतीयता के तत्त्वों की साहित्यिक और सांस्कृतिक निर्मितियों का अवगाहन।
- साहित्यशास्त्र और काव्यशास्त्र की आधारभूत समझ।
- सौन्दर्यबोध और साहित्यबोध की समझ।

- हिन्दी जनक्षेत्र की समझ का विकास।
- रचनात्मक लेखन की बारीकियों से अवगत होना।
- स्वाधीन लेखन की सामर्थ्य का निर्माण।
- रोजगारोन्मुख क्षेत्रों की आवश्यकताओं के अनुरूप भाषायी कौशलों का विकास।

पाठ्यक्रम (राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुसार)

हिन्दी तथा आधुनिक भारतीय भाषा विभाग,

महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी

PROGRAMME/CLASS: CERTIFICATE	BA I YEAR	SEMESTER: I
Subject: Hindi		
COURSE CODE: A010101T	COURSE TITLE: हिन्दी काव्य	

पाठ्यक्रम का उद्देश्य :

हिन्दी काव्य के प्रतिनिधि कवियों की कविताओं के विषय में जानकारी देना तथा हिन्दी काव्य के संक्षिप्त इतिहास की जानकारी देकर विद्यार्थियों को हिन्दी कविता के विकास क्रम से अवगत कराना।

1. इकाई 1
   भारतीय ज्ञान परंपरा का साहित्यिक एवं सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य में अवगाहन ताकि देशज निर्मितियों के आलोक में वैश्विक समायोजन की राह निकले।
2. इकाई 2
   आधुनिकता की अवधारणा की समझ के आलोक में साहित्य और सौन्दर्यबोध की समझ बने। तार्किकता और वैज्ञानिकता के पहलू साहित्य के माध्यम से प्रकट हो।
3. इकाई 3
   आदिकालीन कवियों की रचना प्रक्रिया और रचना सौन्दर्य से परिचय।
4. इकाई 4 एवं 5
   भक्तिकाल के दार्शनिक सिद्धांतों और लोक जागरण को कवि की रचनाओं के साक्ष्य में समझना।
5. इकाई 6
   रीतिकालीन सौन्दर्यबोध और भाषा वैविध्य का अध्ययन।
6. इकाई 7
   आधुनिक काल की रचनाओं के माध्यम से तार्किकता, लैंगिक विमर्श, वैश्विक चेतना और मूल्यपरक दृष्टिकोण को अर्जित करना।

अध्ययन परिणाम :

1. इकाई 1
   विद्यार्थी इस इकाई के अध्ययनोपरांत हिन्दी साहित्य के आद्य-प्रस्थानों से न केवल परिचित हो सकेगा बल्कि भारतीय ज्ञान परंपरा के रचनात्मक आयामों का साक्षात्कार भी कर सकेंगे। विभिन्न साहित्यिक परंपराओं के उत्स के अवगाहन से भारतीय ज्ञान की लोक-संपृक्त सांस्कृतिक एकसूत्रता को पहचान सकेंगे।
2. इकाई 2

इस इकाई के अध्ययनोपरांत आधुनिक साहित्य मानस की निर्मिति की प्रेरक परिघटनाओं के संज्ञान के साथ-साथ हिन्दी भाषा एवं साहित्यिक विधाओं के विकास और परिशंसन के सामाजिक आधारों को तार्किक रूप से ग्रहण कर सकेंगे।

3. इकाई 3
   इस इकाई के अध्ययनोपरांत विद्यार्थीगण न केवल हिन्दी की विभिन्न काव्य परंपराओं को मूर्त रूप में ग्रहण कर सकेंगे बल्कि साहित्यिक परंपराओं के निर्माण में युक्तियुक्त पारस्परिकता के रचनात्मक बिंदुओं को पहचानने में सक्षम हो सकेंगे।
4. इकाई 4
   भक्तिकाल काव्य के 06 प्रतिनिधि कवियों की रचनाओं के अध्ययनोपरांत विद्यार्थी ज्ञान, भक्ति और कर्म विभिन्न मानवीय आदर्श संवेदना को आत्मसात कर सकेंगे। इन रचनाओं में निहित मानवीय करुणा और सामाजिकता के बोध से विकसित मानवीय मूल्यों को आत्मसात कर सकेंगे।
5. इकाई 5
   हिन्दी साहित्येतिहास में रीतिकाल के तीन प्रमुख कवियों की रचनाओं के सम्यक् अवगाहन के बाद विद्यार्थीगण कला, भाषा, संस्कृति और काव्य रूपों के विकास की प्रक्रिया को समझ सकेंगे।
   रीतिकालीन रचनाएँ भक्तिकाव्य और आधुनिक काव्य के बीच भाषा और भाव के बीच सेतु बनाते हैं, इसका अवबोध विकसित कर सकेंगे।
6. इकाई 6
   आधुनिक काल के पाँच प्रमुख कवियों की प्रतिनिधि कविताओं के अध्ययनोपरांत विद्यार्थी यह बोध विकसित करने में सक्षम हो सकेंगे कि पुराने और नये कवियों के बीच सामाजिक और प्रासंगिक मानवीय मूल्यों को कैसे रचनात्मक संरक्षण प्रदान किया जा सकता है। राष्ट्र बोध के साथ-साथ प्रकृति-बोध को और अंततः विश्वबोध को विकसित कर पाने में विद्यार्थी संवेदित हो सकेंगे।
7. इकाई 7
   दोनों विश्वयुद्धों के बाद वैश्विक संरचनाओं और दृष्टियों में बड़े परिवर्तन हुए। इस इकाई में निहित कवियों की कविताओं के माध्यम से विद्यार्थी व्यक्ति और समाज, राज्य और राष्ट्र तथा विश्व के बदलते ताने-बाने को तर्कपूर्ण परंतु रचनात्मक संदृष्टि से पहचान सकेंगे।
8. इकाई 8
   आठवीं इकाई के अध्ययनोपरांत विद्यार्थी शोध की बुनियादी अवधारणा को समझ सकेंगे। साहित्यिक शोध के सामाजिक आयामों को पहचान सकेंगे।

CREDITS: 6	MAX MARKS: 25+75	MIN. PASSING MARKS: 10+30
Total No. of Lectures - Tutorials-Practical (in hours per week): 3-0-0 or 2-1-0 etc.		

Unit	Topic	No. of Lectures
I	**भारतीय ज्ञान परंपरा के अन्तर्गत आदिकालीन एवं मध्यकालीन हिन्दी काव्य का इतिहास: इतिहास लेखन की परंपरा एवं विकास:** भारतीय ज्ञान परंपरा और हिन्दी साहित्य, हिन्दी साहित्य का काल विभाजन, नामकरण एवं साहित्यिक प्रवृत्तियाँ। सिद्ध साहित्य, जैन साहित्य, रासो साहित्य, नाथ साहित्य और लौकिक साहित्य। भक्ति आंदोलन के उदय के सामाजिक एवं सांस्कृतिक कारण, भक्तिकाल के प्रमुख संप्रदाय और उनका वैचारिक आधार, निर्गुण और सगुण कवि और उनका काव्य। रीति काल की सामाजिक, सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, नामकरण, प्रवृत्तियाँ एवं परिप्रेक्ष्य। रीतिकालीन साहित्य के प्रमुख भेद (रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध, रीति मुक्ति, प्रमुख कवि और उनका काव्य)।	12
II	**आधुनिक कालीन काव्य का इतिहास:** सामाजिक-सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, नामकरण एवं प्रवृत्तियाँ, 1857 का प्रथम स्वतंत्रता संग्राम और सांस्कृतिक पुनर्जागरण, हिन्दी नवजागरण, भारतेन्दु युग, द्विवेदी युग एवं छायावाद की प्रवृत्तियाँ एवं अवदान। उत्तर छायावाद की विविध वैचारिक प्रवृत्तियाँ, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता, समकालीन कविता, प्रमुख साहित्यकार रचनाएँ और साहित्यिक विशेषताएँ।	12
III	**आदिकालीन कवि:** **विद्यापति:** (विद्यापति पदावली - संपा: आचार्य रामलोचन शरण) क. गंगा वंदना (बड़ सुख सार पावल तुअ तीरे), ख. श्रीकृष्ण प्रेम, (35), ग. राधा प्रेम - (36) गोरखनाथ: (गोरखबानी: संपादक पीताम्बरदत्त बड़थ्वाल गोरखबानी सबदी (संख्या 2,4,7,8,16), पद (राग रामश्री 10, 11) (अमीर खुसरो-व्यक्तित्व एवं कृतित्व: डॉ. परमानन्द पांचाल) कव्वाली - घ (1), गीत-ड़ (4), (13), दोहे - च (पृष्ठ 86), 05 दोहे - गोरी सोवे, खुसरो रैन, देख मैं, चकवा चकवी, सेज सूनी।	10
IV	**भक्तिकालीन सगुण कवि:** सूरदास: (भ्रमरगीत सार-संपा, आचार्य रामचन्द्र शुक्ल) (पद संख्या-07, 21, 23, 24, 26) गोस्वामी तुलसीदास: (श्रीरामचरित मानस-गोस्वामी तुलसीदास, गीता प्रेस गोरखपुर) अयोध्या काण्ड-दोहा संख्या 28 से 41	11
V	**भक्तिकालीन निर्गुण कवि:** कबीर:	10

	(कबीरदास - संपा, श्यामसुन्दर दास) क. गुरूदेव को अंग- 06, 11, 16 ख. बिरह कौ अंग - 12, 20, 30 रैदास: (पद- बेगमपुरा शहर को नाउ, दोहा- ऐसा चाहूं राज मैं, रैदास श्रम कर खाइए) मलिक मोहम्मद जायसी: (मलिक मोहम्मद जायसी - संपा - आचार्य रामचन्द्र शुक्ल) मानसरोदक खण्ड (02 से 06 पद तक)	
VI	**रीतिकालीन कवि:** केशवदास: (कविप्रिया (प्रिया प्रकाश)- लाला भगवानदीन तृतीय प्रभाव - 1,2,4,5 बिहारी लाल: प्रारंभ के 10 दोहे घनानन्द: (घनानन्द ग्रन्थावली-संपा, विश्वनाथ प्रसाद मिश्र) सुजानहित -1, 4, 7	11
VII	**आधुनिककालीन कवि:** भारतेन्दु हरिशचन्द्र: मातृभाषा प्रेम पर दोहे, रोकहूँ जो तो अमंगल होय, ब्रज के लता पता मोहि कीजे। जयशंकर प्रसाद: कामायनी के श्रद्धा सर्ग के प्रथम दस पद, आंसू के प्रथम पांच पद सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला': वर दे वीणा वादिनी वर दे, स्नेह निर्झर बह गया, वह तोड़ती पत्थर सुमित्रानन्दन पन्त: मौन निमंत्रण, प्रथम रश्मि, यह धरती कितना देती है महादेवी वर्मा: बीन हूँ मैं तुम्हारी रागिनी भी हूँ, मैं नीर भरी दु:ख की बदली, यह मन्दिर का दीप इसे नीरव जलने दो	12
VIII	**(अ) छायावादोत्तर कवि और हिन्दी साहित्य में शोध:** अज्ञेय: नदी के द्वीप, यह दीप अकेला, कलगी बाजरे की मुक्तिबोध: विचार आते हैं, भूल गलती नागार्जुन: अकाल और उसके बाद, बादल को घिरते देखा है धर्मवीर भारती: बोआई का गीत, कविता की मौत (दूसरा सप्तक, सम्पादक अज्ञेय) धूमिल: मोचीराम, रोटी और संसद (ब) हिन्दी साहित्य में शोध शोध का अर्थ और परिभाषा, साहित्य में शोध की प्रविधियां, शोध के अंग और शोध का महत्व	12
	पाठ्यपुस्तक : हिन्दी काव्य **लेखक : प्रो. अनुराग कुमार एवं प्रो. निरंजन सहाय** **प्रकाशक : विश्वविद्यालय प्रकाशन, चौक, वाराणसी**	

संदर्भ ग्रन्थ:

1. डॉ. नगेन्द्र, हिन्दी साहित्य का इतिहास, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली,1976
2. सिंह, बच्चन, हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली,1996
3. शुक्ल, रामचन्द्र, हिन्दी साहित्य का इतिहास, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी,2019
4. तिवारी,रामचन्द्र,हिन्दी गद्य का इतिहास,विश्वविद्यालय प्रकाशन,वारानसी,1992
5. चतुर्वेदी, रामस्वरूप, हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास, लोक भारती प्रकाशन, इलाहबाद,2019
6. सिंह, नामवर, आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ, राजकमल, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 2011
7. ओझा, डॉ. दुर्गाप्रसाद एवं राय डॉ. अनिल, छायावादोत्तर काव्य प्रतिनिधि रचनाएं, प्रकाशन केन्द्र, लखनऊ, 2014
8. ओझा, डॉ. दुर्गाप्रसाद, आधुनिक हिन्दी कविता, प्रकाशन केन्द्र, लखनऊ, 2011
9. ओझा, डॉ. दुर्गाप्रसाद एवं कुमार, डॉ. राजेश, आधुनिक काव्य प्रतिनिधि रचनाएँ, प्रकाशन केन्द्र, लखनऊ, 2014
10. द्विवेदी, हजारी प्रसाद, हिन्दी साहित्य का आदिकाल, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना, 1961, तृतीय संस्करण
11. भटनागर, डॉ. रामरतन, प्राचीन हिन्दी काव्य, इंडियन प्रेस लिमिटेड, प्रयाग, 1952
12. द्विवेदी, हजारी प्रसाद, हिन्दी साहित्य की भूमिका, हिन्दी ग्रन्थ रत्नाकर कार्यालय, मुम्बई, 1940
13. श्रीवास्तव, डॉ. रणधीर, विद्यापति: एक अध्ययन, भारतीय ग्रन्थ निकेतन, नई दिल्ली, 1991
14. सिंह, डॉ. शिवप्रसाद, विद्यापति, हिन्दी प्रचारक पुस्ताकलय, वाराणसी, 1957
15. वर्मा, रामकुमार, संत कबीर, साहित्य भवन लिमिटेड, इलाहाबाद, 1943
16. द्विवेदी, हजारी प्रसाद, कबीर, हिन्दी ग्रन्थ रत्नाकर कार्यालय, मुम्बइ्, 1946
17. वर्मा, रामकुमार, कबीर का रहस्यवाद, साहित्य भवन, इलाहाबाद, 1941
18. वर्मा, रामलाल, जायसी: व्यक्तित्व एवं कृतित्व, भारतीय ग्रन्थ निकेतन, नई दिल्ली, 1979
19. पाठक, शिवसहाय, मलिक मोहम्मद जायसी और उनका काव्य, साहित्य भवन, इलाहाबाद
20. शर्मा मुंशीराम, सूरदास का काव्य वैभव, ग्रन्थम प्रकाशन, कानपुर, 1965
21. किशोरीलाल, सूर और उनका भ्रमरगीत, अभिव्यक्ति प्रकाशन, इलाहाबाद, 1993
22. वाजपेयी नन्ददुलारे, सूर संदर्भ, इंडियन प्रेस लिमिटेड, प्रयाग
23. त्रिपाठी रामनरेश, तुलसीदास और उनकी कविता (भाग-1) हिन्दी मंदिर, प्रयाग, 1937
24. दीक्षित राजपति, तुलसीदास और उनका युग, ज्ञानमंडल लिमिटेड, वाराणसी, 1953
25. सिन्हा डॉ. अरविन्द नारायण, विद्यापति: युग और साहित्य, विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा
26. डॉ. नगेन्द्र, हिन्दी साहित्य का इतिहास, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
27. चतुर्वेदी रामस्वरूप, हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
28. त्रिगुणायत गोविन्द, कबीर की विचारधारा, साहित्य निकेतन, कानपुर
29. उपाध्याय विशम्भर नाथ, सूर का भ्रमरगीत: एक अन्वेषण, विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा
30. किशोरीलाल, घनानन्द: काव्य और आलोचना, साहित्य भवन, इलाहाबाद
31. भटनागर रामरतन, केशवदास: एक अध्ययन, किताब महल, इलालाबाद 1947

	32. शर्मा किरणचन्द्र, केशवदास: जीवनी, कला और कृतित्व, भारती साहित्य मन्दिर, दिल्ली, 1961 33. डॉ. नगेन्द्र, कामायनी के अध्ययन की समस्याएँ, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली, 1962 34. शर्मा, रामविलास, निराला की साहित्य साधना, भाग-2, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली 1981, द्वितीय संस्करण 35. गौड़, राजेन्द्र सिंह, आधुनिक कवियों की काव्य साधना, श्रीराम मेहता एण्ड संस, आगरा, 1953 36. सक्सेना, द्वारिका प्रसाद, हिन्दी के आधुनिक प्रतिनिधि कवि, विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा 37. कुमार विमल, छायावाद का सौन्दर्यशास्त्रीय अध्ययन, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 1970 38. तिवारी, भोलानाथ, प्रसाद की कविता, साहित्य भवन, प्रयागराज 39. डॉ. नगेन्द्र, सुमित्रानंदन पन्त, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली, 1962 40. शर्मा, रमेश, पन्त की काव्य साधना, साहित्य निकेतन, कानपुर 41. तिवारी, विश्वनाथ प्रसाद, समकालीन हिन्दी कविता, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली 42. चतुर्वेदी, रामस्वरूप, अज्ञेय का रचना संसार, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली 43. सिंह, विजयबहादुर, नागार्जुन का रचना संसार, सम्भावना प्रकाशन, हापुड़, 1982 44. अष्टेकर, कटघरे का कवि, धूमिल, पंचशील प्रकाशन, जयपुर 45. नवल, नंदकिशोर, मुक्तिबोध, साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली 46. त्रिपाठी, डॉ. हंसराज, आत्मसंघर्ष की कविता मुक्तिबोध, मानस प्रकाशन, प्रतापगढ़ 47. सिंह, शम्भूनाथ, छायावाद युग, सरस्वती मन्दिर प्रकाशन, वाराणसी, 1962 48. अज्ञेय, दूसरा सप्तक, प्रगति प्रकाशन, नई दिल्ली, प्रतीक प्रकाशन माला, 1951 49. बिसारिया, डॉ. पुनीत, प्राचीन हिन्दी काव्य, श्री नटराज प्रकाशन, दिल्ली, 2007 50. बिसारिया, डॉ. पुनीत, अर्वाचीन हिन्दी काव्य, श्री नटराज प्रकाशन, दिल्ली, 2007 51. बिसारिया, डॉ. पुनीत, काव्य वैभव, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 2018 52. बिसारिया, डॉ. पुनीत, काव्य मन्जूषा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 2017 53. सिंह, डॉ. उदयप्रताप, नाथ पंथ और गोरखबानी, आर्यावर्त संस्कृति संस्थान, नई दिल्ली 54. बिसारिया, डॉ. पुनीत, शोध कैसे करें, अटलांटिक पब्लिशर्स एण्ड डिस्ट्रीब्यूटर्स प्राइवेट लिमिटेड, नई दिल्ली, 2007 This course can be opted as an elective by the students of following subjects : इंटरमीडिएट अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके समस्त विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम का चयन कर सकते हैं।
	Suggested Continuous Evaluation Methods : लिखित परीक्षा,परियोजना कार्य, दक्षता परीक्षण
	Suggested Continuous Evaluation Methods : 1- कृति विशेष के भाषिक विश्लेषण पर परियोजना कार्य 2- वाचन
	Course prerequisites: To Study this course, a student must have had the subject .... in class/12th/certificate/diploma सभी के लिए (सामान्य हिन्दी भाषा का ज्ञान अपेक्षित)
Suggested equivalent online courses :	

Further Suggestions : ....

सामान्य अनुदेश समय : 3 घंटे	
	पूर्णांक 75
वस्तुनिष्ठ प्रश्न (अधिकतम 50 शब्द)	5 x 2= 10
लघु उत्तरीय प्रश्न (अधिकतम 100 शब्द)	5 x 5 = 25
दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (अधिकतम 400 शब्द)	4 x 10= 40
मध्यावधि परीक्षण **(Mid Term Test)**	पूर्णांक 25
मिड-टर्म परीक्षा हेतु 25 अंक निर्धारित हैं। मिड-टर्म परीक्षा का स्वरूप निम्नवत है- 1. 05 अंक का बहुविकल्पीय प्रश्न-पत्र निर्मित कर मूल्यांकन होगा। (इस हेतु 10-10 प्रश्न के दो बहुविकल्पीय प्रश्न-पत्र सेट बनाये जायेंगे) 2. 05 अंक का आवंटन सेमिनार/लेखन क्षमता हेतु निर्धारित है। 3. 10 अंक का परियोजना कार्य (05 अंक का अधिन्यास लेखन + 05 अंक की मौखिकी परीक्षा/प्रस्तुतिकरण) छात्र - छात्राओं को आवंटित कर मूल्यांकन किया जाएगा। 4. 05 अंक का आवंटन छात्र/छात्राओं की उपस्थिति/अन्य शैक्षिक गतिविधियों हेतु निर्धारित है।	

At the End of the whole syllabus any remarks/suggestions.

....

<table>
<tr><td colspan="2">PROGRAMME/CLASS: CERTIFICATE</td><td>BA I YEAR</td><td>SEMESTER: II</td></tr>
<tr><td colspan="4">Subject: Hindi</td></tr>
<tr><td>COURSE CODE: A010201T</td><td colspan="3">COURSE TITLE:
कार्यालयी हिन्दी और कम्प्यूटर</td></tr>
<tr><td colspan="4">पाठ्यक्रम का उद्देश्य:
हिन्दी के विद्यार्थियों को कार्यालय के कार्यों की मूलभूत जानकारी प्रदान करना ताकि वह कार्यालय के कार्यों को सुगमतापूर्वक कर सके एवं उन्हें कम्प्यूटर का मूलभूत ज्ञान देना तथा उन्हें कम्प्यूटर पर हिन्दी में कार्य करने में सक्षम बनाना ताकि वे कम्प्यूटर पर कार्य करने में सक्षम होकर रोजगार प्राप्त कर सकें।
1. इकाई 1
हिंदी के प्रयोजनमूलक प्रकार्यों के विद्यार्थियों को परिचित करना तथा रोजगार प्राप्ति मे इसकी उपयोगिता से अवगत कराना ।
2. इकाई 2
सुनिर्दिष्ट संस्थाओं एवं उनके कार्यालयी हिन्दी के अनुप्रयोगों से परिचित कराना।
3. इकाई 3
विद्यार्थियों में विभिन्न पत्र-प्रारूपों को समझने एवं उनके अनुप्रयोग की क्षमता विकसित करना।
4. इकाई 4
सरकारी कार्यालयों में प्रयोग की जाने वाली हिन्दी की विभिन्न युक्तियों से अवगत कराना ।
5. इकाई 5
हिन्दी की तकनीकी उपादेयता में कंप्यूटर के महत्व से विद्यार्थियों को अवगत कराना।
6. इकाई 6
इंटरनेट और हिन्दी भाषा की संभावनाओं से परिचित कराना।
7. इकाई 7
ई शिक्षण के माध्यम से ऑनलाइन लर्निंग के आदान-प्रदान, प्रक्रिया और प्रभाव से अवगत कराना।
8. इकाई 8
हिंदी में टैक्स के नए और उपयोगिता के अनुकूल तकनीकियों से परिचित कराना।</td></tr>
<tr><td colspan="4">अध्ययन परिणाम:
1. इकाई 1</td></tr>
</table>

अध्ययनोपरांत विद्यार्थी कार्यालयी हिंदी की उपादेयता और आर्थिक स्वावलंबन प्राप्त करने में इसकी व्यवहार्यता को समझ सकेगे।

2. इकाई 2
   अध्ययनोपरांत विद्यार्थी विभिन्न सरकारी गैर सरकारी कार्यालयों में सचिवालीय क्रियाकलापों के व्यावहारिक रूप को सीखने में सक्षम हो सकेंगे।
3. इकाई 3
   अध्ययनोपरांत विद्यार्थी सरकारी पत्राचार के विभिन्न प्रारूपों को सीख सकेंगे।
4. इकाई 4
   अध्ययनोपरांत विद्यार्थी कार्यालयी/ सचिवालीय हिंदी के भाषा व्यवहार को व्यावहारिक रूप से सीख- समझ सकेंगे।
5. इकाई 5
   अध्ययनोपरांत विद्यार्थी कंप्यूटर के साथ हिंदी भाषा के तकनीकी-तालमेल के विधिवत परिचित हो सकेंगे।
6. इकाई 6
   अध्ययनोपरांत विद्यार्थी इंटरनेट की विभिन्न पटलों पर हिंदी की उपस्थिति इसकी सीमाओं और संभावनाओं से अवगत हो सकेंगे विस्तृत पाठक वर्ग तक हिंदी को पहुंचाने के लिए इसके निहित अवसरों को जान सकेंगे।
7. इकाई 7
   अध्ययनोपरांत विद्यार्थी विभिन्न सोशल मीडिया पटलों पर हिंदी में अभियक्ति के कला और को पहचान सकेंगे। अध्ययन अध्यापन के अलावा स्वतंत्र रूप से रोजगार एवं आर्थिक उपागम की क्षमता विकसित कर सकेंगे।
8. इकाई 8
   अध्ययनोपरांत विद्यार्थी हिन्दी भाषा के स्वरुप से परिचित हो सकेंगे। तेज और सही टंकय- के लिए विभिन्न तकनीकी सुविधाओं का प्रयोग करना जान सकेंगे।

CREDITS: 6	MAX MARKS: 25+75	MIN. PASSING MARKS: 10+30

Total No. of Lectures - Tutorials-Practical (in hours per week): 3-0-0 or 2-1-0 etc.

Unit	Topic	No. of Lectures
I	**कार्यालयी हिन्दी का स्वरूप, उद्देश्य एवं क्षेत्र:**	12

	कार्यालयी हिन्दी की संकल्पना उद्देश्य एवं क्षेत्र कार्यालयी हिन्दी तथा सामान्य हिन्दी का संबंध कार्यालयी हिन्दी की संभावनाएं कार्यालयी कार्यकलाप की सामान्य जानकारी	
II	**कार्यालयी हिन्दी में प्रयुक्त पारिभाषिक शब्दावली:** शब्दावली निर्माण के सिद्धान्त कार्यालयी हिन्दी की पारिभाषिक शब्दावली कार्यालयों एवं अधिकारियों के नाम पदनाम, संबोधन आदि, प्रशासनिक एवं विधिक शब्दावली	12
III	**कार्यालयी हिन्दी पत्राचार:** आवेदन पत्र सरकारी पत्र अर्द्ध सरकारी पत्र कार्यालय आदेश परिपत्र अधिसूचना कार्यालय ज्ञापन विज्ञापन निविदा संकल्प प्रेस विज्ञप्ति	10
IV	**प्रारूपण, टिप्पण, संक्षेपण, पल्लवन, प्रतिवेदन तथा स्ववृत्त:** प्रारूपण का अर्थ, सामान्य परिचय, प्रारूपण लेखन की पद्धति टिप्पण का अर्थ, सामान्य परिचय, टिप्पण लेखन की पद्धति, टिप्पण और टिप्पणी में अंतर संक्षेपण का अर्थ, सामान्य परिचय, संक्षेपण की पद्धति पल्लवन का अर्थ, सामान्य परिचय, पल्लवन के सिद्धान्त, पल्लवन और निबंध लेखन में अंतर प्रतिवेदन का अर्थ, सामान्य परिचय एवं प्रयोग स्ववृत निर्माण	11
V	**हिन्दी भाषा और कम्प्यूटर का विकासक्रम:** कम्प्यूटर का सामान्य परिचय और इतिहास कम्प्यूटर में हिन्दी भाषा के विकास का इतिहास कम्प्यूटर में हिन्दी का भविष्य	10
VI	**हिन्दी भाषा में कम्प्यूटर प्रौद्योगिकी:** इन्टरनेट और हिन्दी, ई-मेल हिन्दी में उपलब्ध सॉफ्टवेयर एवं वेबसाइट हिन्दी से संबंधित विभिन्न वेबसाइटें सोशल मीडिया पर हिन्दी लेखन कौशल	11

VII	**हिन्दी भाषा और ई शिक्षण:** इन्टरनेट पर उपलब्ध पत्र-पत्रिकाएँ इन्टरनेट पर उपलब्ध दृश्य-श्रव्य सामग्री ब्लॉग, फेसबुक पेज, ई-पुस्तकालय सामग्री सरकारी तथा गैर सरकारी चैनल (ज्ञानदर्शन, ई पाठशाला, स्वयं, मूक्स आदि), पॉडकास्ट, आभासी कक्षाएं	12
VIII	**(अ) हिन्दी कम्प्यूटर टंकण एवं शार्टहैण्ड का सैद्धांतिक पक्ष और हिन्दी साहित्य में शोध:** हिन्दी भाषा के विभिन्न फॉण्ट यूनिकोड स्पीच टू टेक्स्ट प्रौद्योगिकी,ओ.सी.आर(हिन्दी) हिन्दी पीपीटी स्लाइड एवं पोस्टर निर्माण **(ब) हिन्दी साहित्य में शोध** शोध के प्रकार (परिकल्पना परीक्षण और परिकल्पना उत्पादन), शोध के चरण, साहित्यिक शोध का उद्देश्य	12
	पाठ्य पुस्तक **कार्यालयी हिन्दी और कम्प्यूटर** **लेखक: प्रो. निरंजन सहाय** **प्रकाशक: लोकभारती, प्रयागराज**	

सन्दर्भ ग्रन्थ:

1. सागर, रामचन्द्र सिंह, कार्यालय कार्य विधि, आत्माराम एवं संस, नई दिल्ली, 1963
2. शर्मा, चंद्रपाल, कार्यालयीन हिन्दी की प्रकृति, समता प्रकाशन, दिल्ली, 1991
3. प्रज्ञा पाठमाला, राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली
4. गोदरे, डॉ. विनोद, प्रयोजनमूलक हिन्दी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2009
5. झाल्टे, दंगल, प्रयोजनमूलक हिन्दी: सिद्धान्त और प्रयोग, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2016, पंचम संस्करण
6. सोनटक्के, डॉ. माधव, प्रयोजनमूलक हिन्दी: प्रयुक्ति और अनुवाद, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
7. भाटिया, कैलाश चन्द्र, प्रयोजनमूलक हिन्दी: प्रक्रिया और स्वरूप, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली,2005
8. जैन, डॉ. संजीव कुमार, प्रयोजनमूलक कामकाजी हिन्दी एवं कम्प्यूटिंग, कैलाश पुस्तक सदन, भोपाल
9. मल्होत्रा, विजय कुमार, कम्प्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
10. गोयल संतोष, हिन्दी भाषा और कम्प्यूटर, श्री नटराज प्रकाशन, दिल्ली
11. हरिमोहन, आधुनिक जनसंचार और हिन्दी, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली
12. हरिमोहन, कम्प्यूटर और हिन्दी, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली
13. शर्मा, पी.के., कम्प्यूटर के डाटा प्रस्तुतिकरण और भाषा सिद्धान्त, डायनामिक पब्लिकेशन्स, नई दिल्ली
14. संजय द्विवेदी (संपा.), सोशल नेटवर्किंग: नए समय का संवाद, नेहा पब्लिशर्स एवं डिस्ट्रीब्यूटर्स, नई दिल्ली
15. शुक्ल सौरभ, नए जमाने की पत्रकारिता, विजडम विलेज पब्लिकेशन्स, दिल्ली

16. कुमार सुरेश, इन्टरनेट पत्रकारिता, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली
17. श्रीवास्तव गोपीनाथ, कम्प्यूटर का इतिहास और कार्यविधि, सामयिक प्रकाशन, नई दिल्ली
18. बिसारिया, डॉ. पुनीत, शोध कैसे करें, अटलांटिक पब्लिशर्स एवं डिस्ट्रीब्यूटर्स प्राइवेट लिमिटेड, नई दिल्ली,2007

	This course can be opted as an elective by the students of following subjects: इंटरमीडिएट अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके समस्त विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम का चयन कर सकते हैं।	
	Suggested Continuous Evaluation Methods: लिखित परीक्षा,परियोजना कार्य, दक्षता परीक्षण	
	Suggested Continuous Evaluation Methods: कार्यालय की कार्यवधि का कार्यालयों में जाकर प्रायोगिक ज्ञान प्राप्त करना, कम्प्यूटर की मूलभूत जानकारी प्राप्त करना, प्रायोगिक एवं परियोजना कार्य, कम्प्यूटर टाइपिंग, पीपीटी एवं पोस्टर बनाना	
	Course prerequisites :To study this course, a student must have had the subject in class/12th/certificate/diploma सभी के लिए (सामान्य हिन्दी भाषा का ज्ञान अपेक्षित)	
	Suggested equivalent online courses :	
	Further Suggestions	

At the End of the whole syllabus any remarks/suggestions:

सामान्य अनुदेश समय : 3 घंटे	
	पूर्णांक 75
वस्तुनिष्ठ प्रश्न (अधिकतम 50 शब्द)	5 x 2= 10
लघु उत्तरीय प्रश्न (अधिकतम 100 शब्द)	5 x 5 = 25
दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (अधिकतम 400 शब्द)	4 x 10= 40

मध्यावधि परीक्षण **(Mid Term Test)**	पूर्णांक 25
मिड-टर्म परीक्षा हेतु 25 अंक निर्धारित हैं। मिड-टर्म परीक्षा का स्वरूप निम्नवत है- 1. 05 अंक का बहुविकल्पीय प्रश्न-पत्र निर्मित कर मूल्यांकन होगा। (इस हेतु 10-10 प्रश्न के दो बहुविकल्पीय प्रश्न-पत्र सेट बनाये जायेंगे) 2. 05 अंक का आवंटन सेमिनार/लेखन क्षमता हेतु निर्धारित है। 3. 10 अंक का परियोजना कार्य (05 अंक का अधिन्यास लेखन + 05 अंक की मौखिकी परीक्षा/प्रस्तुतिकरण) छात्र - छात्राओं को आवंटित कर मूल्यांकन किया जाएगा। 4. 05 अंक का आवंटन छात्र/छात्राओं की उपस्थिति/अन्य शैक्षिक गतिविधियों हेतु निर्धारित है।	

	BA II YEAR	SEMESTER III
SUBJECT : HINDI		
COURSE CODE A010301T	**COURSE TITLE**	**हिन्दी गद्य**

पाठ्यक्रम का उद्देश्य: हिन्दी के विद्यार्थियों को हिन्दी गद्य की सभी विधाओं का सम्यक ज्ञान देना तथा उन्हें हिन्दी के प्रतिनिधि उपन्यासकारों, कथाकारों, नाटककारों एवं एकांकीकारों, निबन्धकारों एवं अन्य गद्य विधाओं के लेखकों के महत्वपूर्ण प्रदेय से परिचित कराना ताकि विद्यार्थी इन सभी विद्याओं से परिचित हो सकें और इस क्षेत्र में कैरियर बनाने के इच्छुक विद्यार्थी इस हेतु तैयार हो सकें।

1. इकाई 1
   गद्य की वैचारिकता के बिन्दुओं का अवगाहन एवं विभिन्न गद्य विधाओं की समझ। देशज निर्मितियों के आलोक में वैश्विक साहित्य के समानांतर राष्ट्र – राज्य की साहित्यिक विधाओं की परंपरा समझाना।
2. इकाई 2
   विभिन्न गद्य विधाओं का परिचय हासिल करना ताकि विभिन्न अभिव्यक्ति माध्यमों के लिए विधागत कौशलों की जमीन तैयार हो सकें।
3. इकाई 3
   चयनित कहानियों की कला भूमि से गुजरते हुए सौन्दर्यबोध, साहित्यबोध एवं मूल्यबोध अर्जित करना।
4. इकाई 4
   नाटक एवं एकांकी के माध्यम से उन रोजगारोन्मुख पहलुओं से परिचित होना, जिनकी जरूरत समकालीन अभिव्यक्ति माध्यमों के है।
5. इकाई 5
   हिंदी निबंध संसार की चयनित रचनाओं से गुजरकर भारतीय मूल्य चेतना और तार्किकता को समझाना।
6. इकाई 6 एवं 8
   विभिन्न गद्य विधाओं के कतिपय उदाहरणों से गुजरकर समग्र विधागत समझ बनाना।
7. इकाई 7
   दलित चेतना, तर्क-पद्धति और संवैधानिक मूल्यों को आत्मकथा जैसी विधा से हाशिल करना।

अध्ययन परिणाम

1. इकाई 1
   विभिन्न साहित्यिक विधाओं की समग्र समझ।
2. इकाई 2
   विधाओं के इतिहास और कला चेतना के अन्योन्याश्रित सम्बन्ध की समझ।

<table>
<tr><td colspan="4">3. इकाई 3
आलोचना, उपन्यास, कहानी, एकांकी की प्रतिनिधि रचनाओं के माध्यम से समय-चेतना की समझ।
4. इकाई 4
निबंधो के माध्यम से तार्किकता और मूल्य चेतना की सम्पदा-प्राप्ति।
5. इकाई 6,7,8
रेखाचित्र, संस्मरण, रिपोर्ताज, यात्रा-वृतांत जैसी आधुनिक गद्य विधाओं से साहित्य, संस्कृति और संवैधानिक मूल्यों की समझ।</td></tr>
<tr><td>CREDITS
6</td><td>MAX. MARKS: 25+75</td><td colspan="2">MIN. PASSING MARKS
1 + 3</td></tr>
<tr><td colspan="4">Total No. of Lectures - Tutotials- Practical (in hours per week): 3- pt. 2-1- etc.</td></tr>
<tr><td>Units</td><td colspan="2">Topic</td><td>No. of Lectures</td></tr>
<tr><td>I</td><td colspan="2">हिन्दी गद्य की महत्वपूर्ण विधाओं का संक्षिप्त परिचय:
• कहानी
• उपन्यास
• नाटक
• एकांकी
• आलोचना
• निबन्ध
• यात्रा वृतान्त
• संस्मरण
• रेखाचित्र
• डायरी
• रिपोर्ताज
• आत्मकथा
• जीवनी</td><td>12</td></tr>
<tr><td>II</td><td colspan="2">हिन्दी गद्य की महत्वपूर्ण विधाओं का संक्षिप्त परिचय:
• हिन्दी कहानी का उद्भव और विकास
• हिन्दी उपन्यास का उद्भव और विकास
• हिन्दी नाटक का उद्भव और विकास
• हिन्दी आलोचना का उद्भव और विकास</td><td>12</td></tr>
</table>

	• हिन्दी की अन्य गद्य विधाओं का उद्भव और विकास	
III	**हिन्दी उपन्यास:** महाभोज (मन्नू भण्डारी), राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।	10
IV	**हिन्दी कहानी:** • पंच परमेश्वर – प्रेमचन्द • पाजेब – जैनेन्द्र • गैंग्रीन/रोज – अज्ञेय • परदा – यशपाल • तीसरी कसम – रेणु • पिता - ज्ञान रंजन • वापसी – उषा प्रियंवदा • फुलवा - रतन कुमार सांभरिया	11
V	**हिन्दी नाटक एवं एकांकी:** **नाटक:** • **रक्त कमल - लक्ष्मीनारायण लाल, राजकमल प्रकाशन** **एकांकी:** • दीपदान – डॉ. रामकुमार वर्मा • लक्ष्मी का स्वागत - उपेन्द्रनाथ अश्क	10
VI	**हिन्दी निबन्ध:** • भारतवर्षोन्नति कैसे हो सकती है -भारतेन्दु हरिश्चन्द्र • मित्रता - आचार्य रामचन्द्र शुक्ल • अशोक के फूल - हजारी प्रसाद द्विवेदी • उत्तरा फाल्गुनी के आसपास - कुबेरनाथ राय • तुम चन्दन हम पानी – डॉ. विद्यानिवास मिश्र	11
VII	**अन्य गद्य विधाएँ - प्रथम खण्ड** • **रेखाचित्र** :किताब (महादेवी वर्मा-गिल्लू)मेरा परिवार (लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज, संस्करण: 2008) • **संस्मरण (तीस बरस का साथी-रामविलास शर्मा) लेखक : अमृतलाल नागर** • **हिन्दी समय डॉट कॉम, महात्मा गांधी अन्तरराष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय, वर्धा, महाराष्ट्र)**	12

	• **जीवनी अंश** (अमृत राय-कलम का सिपाही) **चयनित अंश**- करमुँह धो - हम दोनों घर आयें....... गुड़ जरूरी था, पृष्ठ संख्या-17 से 21 तक (लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज, संस्करण: 2021) • **रिपोर्ताज** (रेणु - ऋण जल धन जल) (**चयनित अंश**-जो बोले सो निहाल पृष्ठ संख्या-34) (राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, संस्करण: 2021) • **(हरिशंकर परसाई - पगडंडियों का जमाना)** **(चयनित अंश- समय पर मिलने वाले, पृष्ठ संख्या-49)** **(राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, संस्करण: 2021)**	
VIII	**अन्य गद्य विधाएँ - द्वितीय खण्ड** • **यात्रा वृत्तान्त**(मेरी तिब्बत यात्रा : राहुल सांकृत्यायन) (**चयनित अंश** - ल्हासा से उत्तर की ओर) (लोक भारती प्रकाशन, प्रयागराज, संस्करण: मार्च 2021) • (मुर्दहिया : तुलसीराम) (**चयनित अंश**-मुर्दहिया तथा स्कूली जीवन खण्ड से (स्कूल ले जाने से पहले पिताजी गाँव के....... कुछ और न बन पाता तक, पृष्ठ संख्या 22 से 36 तक) (राजकमल प्रकाशन: दिल्ली, संस्करण: 2010)	**12**
	पाठ्यपुस्तक : हिन्दी गद्य : स्वरूप, इतिहास एवं चयनित रचनाएँ **लेखक : प्रो. निरंजन सहाय एवं डॉ. सुरेन्द्र प्रताप सिंह** **प्रकाशक : लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज**	

संदर्भ ग्रन्थ:

1. अन्धेर नगरी, भारतेन्दु हरिश्चन्द्र, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. हिन्दी नाटक साहित्य का इतिहास, सोमनाथ गुप्ता, इन्द्रा चन्द्र नारंग, इलाहाबाद।
3. हिन्दी नाटकः उद्भव एवं विकास, डॉ. दशरथ ओझा, राजपाल एण्ड सन्स दिल्ली।
4. आधुनिक हिन्दी नाटकों में प्रयोगधर्मिता, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
5. हिन्दी नाटक और रंगमंच, ब्रजराज किशोर, जनप्रिय प्रकाशन।
6. समकालीन हिन्दी नाटककार, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
7. हिन्दी एकांकी की शिल्प विधि का विकास, सिद्धनाथ विकास, साहित्य भवन लिमिटेड, इलाहाबाद।
8. एकांकी एवं एकांकीकार, डॉ. रामचरण महेन्द्र, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
9. हिन्दी एकांकीः उद्भव और विकास, डॉ. रामचरण महेन्द्र, साहित्य प्रकाशन, दिल्ली।
1.. निबन्ध निकष, डॉ. पुनीत बिसारिया, शब्द सेतु प्रकाशन, नई दिल्ली।
11. निबन्ध संग्रह, डॉ. पुनीत बिसारिया, श्रीनटराज प्रकाशन, नई दिल्ली।

12. प्रकीर्ण विविधा, डॉ. पुनीत बिसारिया, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
13. हिन्दी रंगमंच की भूमिका, लक्ष्मीनारायण लाल, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
14. हिन्दी का गद्य साहित्य, रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
15. हिन्दी गद्य: विन्यास और विकास, रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
16. पारम्परिक भारतीय रंगमंच, कपिला वात्स्यायन, नेशनल बुक ट्रस्ट, दिल्ली।
17. हिन्दी साहित्य का इतिहास, आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी।
18. आधुनिक भारतीय रंगलोक, जयदेव तनेजा, भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली।
19. हिन्दी निबन्ध और निबन्धकार, रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन वाराणसी।
2.. आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ, नामवर सिंह, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
21. हिन्दी निबन्ध साहित्य का सांस्कृतिक अध्ययन, बाबूराम, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
22. हिन्दी नाटक के सौ साल, (दो भागों में) सं. महेश आनन्द, राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय, दिल्ली।
23. हिन्दी उपन्यास का विकास, गोपाल राय, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
24. उपन्यास का काव्यशास्त्र, बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन दिल्ली।
25. उपन्यास का उदय, आयन वॉट (अनु. धर्मपाल सरीन), हरियाणा साहित्य अकादमी, पंचकुला हरियाणा।
26. कहानी नई कहानी, नामवर सिंह, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
27. बीसवीं शताब्दी का इतिहास, विजयमोहन सिंह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
28. हिन्दी की कथा साहित्य का इतिहास, हेतु भारद्वाज, पंचशील प्रकाशन जयपुर।
29. आधुनिकता और हिन्दी उपन्यास, इन्द्रनाथ मदान, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
3.. उपन्यास का पुनर्जन्म, परमानन्द श्रीवास्तव, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
31. हिन्दी उपन्यास का स्त्री पाठ, रोहिणी अग्रवाल, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
32. भूमंडलोत्तर कहानी, राकेश बिहारी, आधार प्रकाशन, पंचकुला।
33. आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास, बच्चन सिंह, लोक भारती प्रकाशन, प्रयागराज।
34. गद्यविन्यास और विकास, रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोक भारती प्रकाशन, प्रयागराज।
35. दृश्य सप्तक, के. सत्य नारायण (संपा.), दक्षिण भारत हिन्दी प्रचार सभा, मद्रास।
36. आठ एकांकी नाटक, डॉ. राकुमार वर्मा, स्रोतः ई. पुस्तकालय।
37. मेरा परिवार, महादेवी वर्मा, लोक भारती प्रकाशन।
38. रक्त कमल, लक्ष्मीनारायण लाल, राजकमल प्रकाशन।

	Suggested Continuous Evaluation Methods : लिखित परीक्षा,परियोजना कार्य, दक्षता परीक्षण	
	Suggested Continuous Evaluation Methods : 1- कृति विशेष के भाषिक विश्लेषण पर परियोजना कार्य 2- वाचन	
	Course prerequisites: To Study this course, a student must have had the subject .... in class/12th/certificate/diploma सभी के लिए (सामान्य हिन्दी भाषा का ज्ञान अपेक्षित)	
Suggested equivalent online courses :		
Further Suggestions :		

सामान्य अनुदेश समय : 3 घंटे	
	पूर्णांक 75
वस्तुनिष्ठ प्रश्न (अधिकतम 50 शब्द)	5 x 2= 10
लघु उत्तरीय प्रश्न (अधिकतम 100 शब्द)	5 x 5 = 25
दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (अधिकतम 400 शब्द)	4 x 10= 40
मध्यावधि परीक्षण **(Mid Term Test)**	पूर्णांक 25
मिड-टर्म परीक्षा हेतु 25 अंक निर्धारित हैं। मिड-टर्म परीक्षा का स्वरूप निम्नवत है- 1. 05 अंक का बहुविकल्पीय प्रश्न-पत्र निर्मित कर मूल्यांकन होगा। (इस हेतु 10-10 प्रश्न के दो बहुविकल्पीय प्रश्न-पत्र सेट बनाये जायेंगे) 2. 05 अंक का आवंटन सेमिनार/लेखन क्षमता हेतु निर्धारित है। 3. 10 अंक का परियोजना कार्य (05 अंक का अधिन्यास लेखन + 05 अंक की मौखिकी परीक्षा/प्रस्तुतिकरण) छात्र - छात्राओं को आवंटित कर मूल्यांकन किया जाएगा। 4. 05 अंक का आवंटन छात्र/छात्राओं की उपस्थिति/अन्य शैक्षिक गतिविधियों हेतु निर्धारित है।	

At the End of the whole syllabus any remarks/suggestions……………………………………….

	BA II YEAR	SEMESTER IV
SUBJECT : HINDI		
COURSE CODE A010401T	**COURSE TITLE: हिन्दी अनुवाद**	

पाठ्यक्रम का उद्देश्य :

विद्यार्थियों को हिन्दी के साथ-साथ अंग्रेजी की प्रारंभिक जानकारी प्रदान करते हुए वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मक वातावरण के साथ सामंजस्य स्थापित करने में सक्षम बनाना तथा भारतीय संस्कृति और साहित्य के प्रचार – प्रसार में सहायक बनाना।

1. इकाई 1,2
   अनुवाद की अवधारणा इसके महत्व, आयामों एवं रोजगार की संभावनाओं से विद्यार्थियों को अवगत कराना तथा अनुवाद की तकनीकि समस्याओं से अवगत कराना।
2. इकाई 3, 4, 5
   अनुवाद के सामाजिक सांस्कृतिक अभिप्रायों को स्पष्ट करना, अंतर्राष्ट्रीय एवं स्थानीय संबंधों में अनुवाद की ऐतिहासिक भूमिका को तय करना और बहुलतावादी लोकतांत्रिक राष्ट्र में भाषा और वर्चस्व के अनिवार्य संबंधो को उद्घाटित करना।
3. इकाई 6
   अनुवाद में विभिन्न प्रकार के कोशों की भूमिका एवं उनके प्रकार्यों से अवगत कराना।
4. इकाई 7,8
   विभिन्न प्रकार के कार्यालयी अनुवादों के तकनीकी/ सैद्धांतिक पक्षों से अवगत कराना एवं अनुवाद का अभ्यास कराना।

अध्ययन परिणाम:

1. इकाई 1,2
   अध्ययनोपरांत विद्यार्थी अनुवाद की मूलभूत अवधारणा को समझ सकेंगे तथा वैश्विक पटल पर इसकी संभावनाओं, सीमाओं एवं रोजगारपरकता का संज्ञान कर पाएंगे।
2. इकाई 3
   अध्ययनोपरांत विद्यार्थी सामाजिक - सांस्कृतिक संबंधों तथा अंतर्विरोधों को समझने में समर्थ होंगे साथ ही एक लोकतांत्रिक राष्ट्र- समाज में भाषाई वर्चस्ववाद और इसके बहाने थोपे जाने वाले भाषाई- सांस्कृतिक साम्राज्यवाद को विश्लेषित करते हुए प्रखर बौद्धिक एवं चिंतक व्यक्तित्व प्राप्त करने में समर्थ हो सकेंगे।
3. इकाई 4,5,6
   अध्ययनोपरांत विद्यार्थी अनुवाद की सटीकता एवं विषय-वस्तु से सम्बद्धता को समझते हुए अनुवाद-कौशल विकसित कर सकेंगे।
4. इकाई 7,8
   अध्ययनोपरांत विद्यार्थी विभिन्न प्रकार के कार्यालयी अनुवादों के सैद्धांतिक एवं तकनीकी पक्षों को जान सकेंगे और अभ्यास- कार्य के माध्यम से दक्ष अनुवादक के रूप में विकसित हो सकेंगे।

CREDITS 6	MAX. MARKS: 25+75	MIN. PASSING MARKS 1 + 3

Total No. of Lectures - Tutotials- Practical (in hours per week): 3- pt. 2-1- etc.

Units	Topic	No. of Lectures
I	अनुवाद की अवधारणा : अनुवाद: परिभाषा, स्वरूप अनुवाद का महत्त्व अनुवाद के अन्य रूप : लिप्यंतरण, मशीनी अनुवाद आदि अनुवादक के गुण, दायित्व और अपेक्षाएं अनुवाद में रोजगार की संभावनाएं	12
II	अनुवाद : प्रक्रिया प्रकार सीमाएँ अंग्रेजी - हिन्दी अनुवाद की समस्याएं और समाधान	12
III	अनुवाद का सामाजिक-सांस्कृतिक संदर्भ: संस्कृति, साहित्य और भाषा अनुवाद और संस्कृति अनुवाद और समाज अनुवाद, भाषा, वर्चस्व और प्रतिरोध बहुभाषिक समाज में अनुवाद	10
IV	अनुवाद के साधन : अनुवाद में कोश का महत्त्व कोशों के प्रकार कोशों के उपयोग संकेत प्रणाली शब्दकोश के उपयोग थिसॉरस के उपयोग पर्यायकोश के उपयोग उच्चारणकोश के उपयोग भाषिककोश के उपयोग विषयकोश के उपयोग परिभाषाकोश के उपयोग विश्वकोश के उपयोग साहित्यकोश के उपयोग मिथककोश के उपयोग पुराणकोश के उपयोग	11

V	पारिभाषिक शब्दावली : पारिभाषिक शब्द तात्पर्य तथा लक्षण सामान्य शब्दों तथा पारिभाषिक शब्दों की अनुवाद में भूमिका पारिभाषिक शब्दावली निर्माण के सिद्धांत पारिभाषिक शब्दावली निर्माण की प्रक्रिया	**10**
VI	अनुवाद का पुनरीक्षण, मूल्यांकन तथा समीक्षा : पुनरीक्षण मूल्यांकन समीक्षा	**11**
VII	अनुवाद सैद्धांतिकी- एक : (हिन्दी से अंग्रेजी तथा अंग्रेजी से हिन्दी) प्रशासनिक अनुवाद बैंकिंग अनुवाद विधि अनुवाद ज्ञान, विज्ञान तथा तकनीकी अनुवाद	**12**
VIII	अनुवाद सैद्धांतिकी- दो : (हिन्दी से अंग्रेजी तथा अंग्रेजी से हिन्दी) सामाजिक एवं सांस्कृतिक विषयों का अनुवाद सर्जनात्मक अनुवाद	**12**

संदर्भ ग्रन्थ:

1. तिवारी भोलानाथ, अनुवाद विज्ञान, शब्दकार प्रकाशन, दिल्ली, 1972
2. समीर श्री नारायण, अनुवाद की प्रक्रिया, तकनीक और समस्याएं, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली,2012
3. पालीवाल डॉ. रीतारानी, अनुवाद की प्रक्रिया और परिदृश्य, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली,2016
4. गुप्ता डॉ. गार्गी, तिवारी डॉ. भोलानाथ, अनुवाद का व्याकरण, भारतीय अनुवाद परिषद, दिल्ली, 1994
5. कुमार डॉ सुरेश, अनुवाद सिद्धांत की रूपरेखा, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2016
6. तिवारी भोलानाथ, चतुर्वेदी महेन्द्र, काव्यानुवाद की समस्याएं, शब्दकार प्रकाशन, दिल्ली,1980
7. कुमार, डॉ सुरेश, अनुवाद और पारिभाषिक शब्दावली, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा, 1997
8. तिवारी भोलानाथ,चतुर्वेदी महेन्द्र,परिभाषिक शब्दावली: कुछ समस्याएं, शब्दकार प्रकाशन, दिल्ली,1973
9. तिवारी भोलानाथ, कुमार कृष्ण,कार्यालयी अनुवाद की समस्या, शब्दकार प्रकाशन, दिल्ली, 1987
10. चौधरी डॉ.प्रवीण, कार्यालयी भाषा और अनुवाद, विनय प्रकाशन, अहमदाबाद 2012
11. टंडन पूरनचंद, भाषा दक्षता (भाग 01 से 04), किताब घर प्रकाशनप्रकाशन, दिल्ली, 2018
12. टंडन पूरनचन्द एवं सेठी डॉ. हरीश कुमार, अनुवाद के विविध आयाम, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली, 2005
13. कुंचिपादम सीता,बैंको में अनुवाद प्रविधि, भारतीय अनुवाद परिषद, दिल्ली. 1991
14. बिसारिया, डॉ. पुनीत, अनुवाद और हिन्दी साहित्य, अनंग प्रकाशन, दिल्ली, 2018
15. अग्रवाल कुसुम, अनुवाद शिल्प : समकालीन सन्दर्भ, साहित्य सहकार प्रकाशन, दिल्ली, 1999

16. बिसारिया, डॉ. पुनीत, शोध कैसे करें,अटलांतिक पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स प्राइवेट लिमिटेड, नई दिल्ली 2007
17. https://shabdavali.rbi.org.in/ (बैंकिंग शब्दावली)
18. https://rajbhasha.gov.in/hi/hindi-vocabulary (विभिन्न पारिभाषिक एवं शब्दकोष)
19. https://www.collinsdictionary.com/hi/dictionary/english-hindi (अंग्रेजी-हिन्दी शब्दकोश)
20. https://www.oxfordlearnerdictionaries.com/us/ (अंग्रेजी-हिन्दी शब्दकोश)

सामान्य अनुदेश समय : 3 घंटे	
	पूर्णांक 75
वस्तुनिष्ठ प्रश्न (अधिकतम 50 शब्द)	5 x 2= 10
लघु उत्तरीय प्रश्न (अधिकतम 100 शब्द)	5 x 5 = 25
दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (अधिकतम 400 शब्द)	4 x 10= 40
मध्यावधि परीक्षण **(Mid Term Test)**	पूर्णांक 25
मिड-टर्म परीक्षा हेतु 25 अंक निर्धारित हैं। मिड-टर्म परीक्षा का स्वरूप निम्नवत है- 1. 05 अंक का बहुविकल्पीय प्रश्न-पत्र निर्मित कर मूल्यांकन होगा। (इस हेतु 10-10 प्रश्न के दो बहुविकल्पीय प्रश्न-पत्र सेट बनाये जायेंगे) 2. 05 अंक का आवंटन सेमिनार/लेखन क्षमता हेतु निर्धारित है। 3. 10 अंक का परियोजना कार्य (05 अंक का अधिन्यास लेखन + 05 अंक की मौखिकी परीक्षा/प्रस्तुतिकरण) छात्र - छात्राओं को आवंटित कर मूल्यांकन किया जाएगा। 4. 05 अंक का आवंटन छात्र/छात्राओं की उपस्थिति/अन्य शैक्षिक गतिविधियों हेतु निर्धारित है।	

	Suggested Continuous Evaluation Methods : लिखित परीक्षा,परियोजना कार्य, दक्षता परीक्षण	
	Suggested Continuous Evaluation Methods : 1- कृति विशेष के भाषिक विश्लेषण पर परियोजना कार्य 2- वाचन	
	Course prerequisites: To Study this course, a student must have had the subject .... in class/12th/certificate/diploma	

	सभी के लिए (सामान्य हिन्दी भाषा का ज्ञान अपेक्षित)	
Suggested equivalent online courses :		
Further Suggestions :		

At the End of the whole syllabus any remarks/suggestions.

....

PROGRAMME/CLASS:		BA III YEAR	SEMESTER: V
Subject: Hindi			
COURSE CODE: A010501T	COURSE TITLE: साहित्यशास्त्र और हिन्दी आलोचना		

पाठ्यक्रम का उद्देश्य: इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से विद्यार्थी साहित्यशास्त्र एवं आलोचना के अर्थ, महत्व और उनके विषय क्षेत्र से परिचित हो सकेंगे तथा वे हिन्दी आलोचना के रूप में भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र आधुनिक विकास के विविध रूपों और दिशाओं का साक्षात्कार कर सकेंगे।

1. इकाई 1

   उक्त पाठ्यक्रम के आधार पर विद्यार्थी काव्य का उद्देश्य, उसके स्वरूप एवं उसकी उत्पत्ति के संदर्भ में ज्ञान प्राप्त करेंगे। इसके साथ ही काव्य और समाज के अन्तःसम्बन्ध की जानकारी प्राप्त होगी। किसी भी विधा को इसलिए पढ़ा जाता है कि उसकी सामाजिक उपादेयता क्या हो? कविता से नैतिकता के विकास की संभावनाएं बढ़ जाती है।

2. इकाई 2

   अलंकार, रस, रीति, ध्वनि, वक्रोक्ति एवं औचित्य का अध्ययन करने से विद्यार्थी को भाषा की समझ के साथ-साथ काव्य के मानवीय पक्ष की जानकारी प्राप्त होती है।

3. इकाई 3

   इस यूनिट में काव्य के गुण एवं दोषों पर चर्चा होगी है। इसमें विद्यार्थियों को भाषा एवं साहित्य के सम्बन्ध में समझ विकसित करने का मौका मिलेगा।

4. इकाई 4

   नाट्य विधा द्वारा विद्यार्थी अनेक सामाजिक समस्याओं का स्वस्थ समाधान तलाश सकता है। उन समस्याओं को ढंग से प्रचारित-प्रसारित कर लोगों को जागरूक कर सकता है।

5. इकाई 5

   पाश्चात्य काव्यशास्त्र के माध्यम से विद्यार्थी यह सीखता है कि विरेचन, अनुकरण, कल्पना और संप्रेषण का जीवन एवं समाज के साथ क्या अंतःसम्बन्ध है। इस यूनिट के अध्ययन के पश्चात समाज के विकास की दिशा एवं दशा का ज्ञान होता है।

6. इकाई 6

   आलोचना के माध्यम से स्वस्थ विकास की संभावनाओं की तलाश की जायेगी। बिना आलोचना के समाज को बेहतर नहीं किया जा सकता है।

7. इकाई 7

   इस यूनिट में नई समीक्षा के द्वारा नई-नई तकनीक की जानकारी होती है। समाज के साथ-साथ समाज की अनेक गतिविधियों को सीखने का अवसर मिलता है।

8. इकाई 8

   भारतीय और पाश्चात्य साहित्य सिद्धांतों और आलोचकों के दृष्टिकोण के आलोक में भारतीयता, विश्व दृष्टि एवं साहित्य तथा सौन्दर्यबोध को समझना।

अध्ययन परिणाम

1. इकाई 1

   विद्यार्थी इस यूनिट के अध्ययन के पश्चात समाज के प्रति संवेदनशील एवं कर्तव्यनिष्ठ हो सकेंगे।

2. इकाई 2

   इस यूनिट से विद्यार्थी की संप्रेषण क्षमता का विकास होगा। इससे सामाजिक संपर्क में सुविधा होगी।

3. इकाई 3

   इससे विद्यार्थी अपने देश की भाषा एवं व्याकरण की सही समझ विकसित कर सकेगा। इससे मानवीय व्यवहार करने में सहयोग मिलेगा।

4. इकाई 4

   इससे विद्यार्थी समाज के स्थापित नायक-खलनायक में भेद करना सीखेगा। समाज के विकास हेतु आदर्श कैसा हो यह भी सीखेगा। किसी भी घटना के कार्य-कारण सम्बन्धों की समझ विकसित होगी।

5. इकाई 5

   विद्यार्थी इसके अध्ययन से समाज के साथ संप्रेषण की कला का विकास करेगा।

6. इकाई 6

   आलोचना से समाज के प्रत्येक पहलू को बेहतर किया जा सकता है।

7. इकाई 7

   नई समीक्षा से समाज के अतीत, वर्तमान और भविष्य को नये-नये ढंग से समझने का मौका मिलता है। जिससे नई-नई संभावनाओं की तलाश की जा सकती है।

8. इकाई 8

विभिन्न हिन्दी आलोचकों की साहित्य, कला, सौन्दर्य और विश्व दृष्टि का विश्लेषण कौशल समझना।			
CREDITS: 5	MAX MARKS: 25+75	MIN. PASSING MARKS: 10+30	
Total No. of Lectures - Tutorials-Practical (in hours per week): 3-0-0 or 2-1-0 etc.			
Unit	Topic		No. of Lectures
I	**भारतीय काव्यशास्त्र :** काव्य प्रयोजन काव्य लक्षण काव्य हेतु काव्य का स्वरूप काव्य की आत्मा		09
II	**भारतीय काव्य सिद्धांत** अलंकार सिद्धांत रीति सिद्धांत रस सिद्धांत ध्वनि सिद्धांत वक्रोक्ति सिद्धांत औचित्य सिद्धांत		09
III	**साहित्यशास्त्रीय अवधारणाएँ :** काव्य रूप काव्य गुण शब्द शक्ति काव्य दोष		09
IV	**नाट्यशास्त्र :** भारतीय नाट्यशास्त्र का सामान्य परिचय वृत्ति अभिनय रूपक कथा नेता या नायक नायिका रंगमंचीय विशेषताएँ		09
V	**पाश्चात्य काव्यशास्त्र (सामान्य परिचय) :** अरस्तू : अनुकरण सिद्धांत, विरेचन सिद्धांत कॉलरिज : कल्पना और फैंटेसी		09

	वडर्सवर्थ का काव्यभाषा सिद्धांत रिचर्ड्स का संप्रेषण सिद्धांत टी. एस. इलियट का निर्वैयक्तिकता का सिद्धांत	
VI	**हिन्दी आलोचना का इतिहास तथा सैद्धांतिकी :** हिन्दी आलोचना का विकास सैद्धांतिक आलोचना स्वच्छंदतावादी आलोचना मार्क्सवादी आलोचना मनोविश्लेषणवादी आलोचना	10
VII	**समीक्षा की विचारधाराएँ :** नयी समीक्षा नवशास्त्रवाद यथार्थवाद आभिजात्यवाद और नव्य आभिजात्यवाद कलावाद बिंबवाद प्रतीकवाद संरचनावाद तथा उत्तर संरचनावाद उत्तर आधुनिकता और विखंडन	10
VIII	**आलोचक एवं आलोचना दृष्टि :** रामचन्द्र शुक्ल : काव्य में लोकमंगल प्रेमचंद : साहित्य का उद्देश्य प्रसाद : छायावाद और यथार्थवाद हजारी प्रसाद द्विवेदी : आधुनिक साहित्य - नई मान्यताएँ डॉ. नगेन्द्र : मेरी साहित्यिक मान्यताएँ रामविलास शर्मा : तुलसी साहित्य में सामंत विरोधी मूल्य नामवर सिंह : कहानी : नई और पुरानी मुक्तिबोध : नई कविता का आत्मसंघर्ष	

संदर्भ ग्रन्थ:

1. शर्मा, देवेन्द्र नाथ, पाश्चात्य काव्यशास्त्र, मयूर पेपर बैक्स, नोएडा, 2002
2. नवल, नन्दकिशोर, हिन्दी आलोचना का विकास, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 1981
3. सिंह, बच्चन, भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र का तुलनात्मक अध्ययन, हरियाणा साहित्य, अकादमी, चंडीगढ़, 1987
4. मिश्र, भागीरथ, पाश्चात्य काव्यशास्त्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 1988
5. मिश्र, भागीरथ, काव्यशास्त्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी,
6. त्रिपाठी, विश्वनाथ, हिन्दी आलोचना, राजकमल, प्रकाशन, नई दिल्ली, 1992

	7. तिवारी, डॉ. रामचंद्र, भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र की रुपरेखा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, तृतीय संस्करण, 2010 8. बिसारिया, डॉ. पुनीत, शोध कैसे करें, अटलांतिक पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स प्राइवेट लिमिटेड, नई दिल्ली, 2007 9. जैन, निर्मला, पाश्चात्य साहित्य चिंतन, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली, 1990
	This course can be opted as an elective by the students of following subjects: इंटरमीडिएट अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके समस्त विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम का चयन कर सकते हैं।
	Suggested Continuous Evaluation Methods: लिखित परीक्षा,परियोजना कार्य, दक्षता परीक्षण
	Suggested Continuous Evaluation Methods: 1- कृति विशेष के भाषिक विश्लेषण पर परियोजना कार्य 2- वाचन
	Course prerequisites: To Study this course, a student must have had the subject .... in class/12th/certificate/diploma सभी के लिए (सामान्य हिन्दी भाषा का ज्ञान अपेक्षित)
Suggested equivalent online courses:	
Further Suggestions:	

At the End of the whole syllabus any remarks/suggestions.

....

सामान्य अनुदेश समय : 3 घंटे	
	पूर्णांक 75
वस्तुनिष्ठ प्रश्न (अधिकतम 50 शब्द)	5 x 2= 10
लघु उत्तरीय प्रश्न (अधिकतम 100 शब्द)	5 x 5 = 25
दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (अधिकतम 400 शब्द)	4 x 10= 40

मध्यावधि परीक्षण **(Mid Term Test)**	पूर्णांक 25
मिड-टर्म परीक्षा हेतु 25 अंक निर्धारित हैं। मिड-टर्म परीक्षा का स्वरूप निम्नवत है- 1. 05 अंक का बहुविकल्पीय प्रश्न-पत्र निर्मित कर मूल्यांकन होगा। (इस हेतु 10-10 प्रश्न के दो बहुविकल्पीय प्रश्न-पत्र सेट बनाये जायेंगे) 2. 05 अंक का आवंटन सेमिनार/लेखन क्षमता हेतु निर्धारित है। 3. 10 अंक का परियोजना कार्य (05 अंक का अधिन्यास लेखन + 05 अंक की मौखिकी परीक्षा/प्रस्तुतिकरण) छात्र - छात्राओं को आवंटित कर मूल्यांकन किया जाएगा। 4. 05 अंक का आवंटन छात्र/छात्राओं की उपस्थिति/अन्य शैक्षिक गतिविधियों हेतु निर्धारित है।	

<table>
<tr><td>PROGRAMME/CLASS:</td><td>BA III YEAR</td><td>SEMESTER: V</td></tr>
<tr><td colspan="3">Subject: Hindi</td></tr>
<tr><td>COURSE CODE: A010502T</td><td colspan="2">COURSE TITLE: हिन्दी का राष्ट्रीय काव्य</td></tr>
<tr><td colspan="3">पाठ्यक्रम का उद्देश्य: हिन्दी की राष्ट्रीय काव्य चेतना से जुड़े कवियों की रचनाओं के माध्यम से विद्यार्थियों में राष्ट्र के प्रति अनुराग जागृत करना।

1. इकाई 1
हिंदी की राष्ट्रीय काव्य चेतना से जुड़े कवियों की रचनाओं के माध्यम से राष्ट्र प्रेम और राष्ट्र बोध के आरंभिक साहित्यिक साक्ष्यों के प्रति संवेदित करना।
2. इकाई 2
भक्ति एवं रीतिकाल के दो प्रमुख कवियों की रचनाओं के अध्ययन -अध्यापन के जरिये राष्ट्र प्रेम के सर्वोच्च मूल्य को आत्मसात करते हुए इसके कलात्मक प्रस्थान बिंदुओं की पहचान।
3. इकाई 3
रीतिकाल और आधुनिक काल के संधि स्थल की रचनाओं में निहित राष्ट्र प्रेम ,स्वाधीनता बोध और विदेशी पराधीनता के प्रतिरोध के काव्य चिह्नों से अवगत कराना ।
4. इकाई 4,5,6,7
ब्रिटिश शासन काल में और प्रथम विश्व युद्ध के चलते पैदा हुई वैश्विक अराजकता के बीच राष्ट्रीयता की भावना को संरक्षित रखने के काव्य प्रयत्नों को चिन्हित करना।
5. इकाई 8
समकालीन काव्य के कवियों की रचनाओं में व्याप्त राष्ट्र बोध के नये आयामों से अवगत कराना।</td></tr>
<tr><td colspan="3">अध्ययन परिणाम
1. इकाई 1
अध्ययनोपरांत विद्यार्थी यह संवेदना प्राप्त कर सकेंगे कि भारतभूमि के प्रति प्रेम और सम्मान सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। आरंभिक काव्यों में इस राष्ट्र-बोध के व्यावहारिक अनुशीलन से युवा विद्यार्थियों को राष्ट्रीयता की भावना से संपृक्त किया जा सकेगा।
2. इकाई 2
अध्ययनोपरांत विद्यार्थी ये जान सकेंगे कि भक्तिकाल की व्यापक स्वीकार्यता और रीतिकाल की संकीर्ण संवेदना के भीतर भी राष्ट्र प्रेम की अन्तर्धारा निरंतर बनी रही जो आगे चलकर आधुनिक राष्ट्रबोध के रूप में प्रतिफलित हुई।
3. इकाई 3</td></tr>
</table>

<table>
<tr><td colspan="3">अध्ययनोपरांत विद्यार्थी यह जान सकेंगे कि नए और पुराने साहित्यिक मूल्यों के संक्रमण काल मे भी राष्ट्र प्रेम,स्वाधीनता और स्वत्व के पहचान के काव्यात्मक प्रयासों को हिंदी कविता ने किस तरह सार्थकता प्रदान की।
4. इकाई 4
अध्ययनोपरांत विद्यार्थी यह जान सकेंगे कि ब्रिटिश शासन की दमनकारी नीतियों और प्रथम विश्व युद्ध की विभीषिका के चलते पैदा हुई वैश्विक अराजकता के बीच छायावादी कवियों ने भारतभूमि के प्रति असीम अनुराग की भावना को सर्वोपरि और अक्षुण्ण रखा। यह युवापीढ़ी की चेतना के संस्कार के लिए आवश्यक एवं प्रभावशाली परिणाम होगा।
5. इकाई 5,6,7
अध्ययनोपरांत विद्यार्थी यह जान सकेंगे कि भारतीय वीर नायकों ने राष्ट्र को सबसे ऊपर स्थान देते हुए अपने प्राणों की आहुति तक दे दी । युवा अध्येताओं में राष्ट्र के सम्मान की रक्षा में प्राणोत्सर्ग के लिए तैयार रहने की संवेदना विकसित की जा सकेगी।
6. इकाई 8
अध्ययनोपरांत विद्यार्थी अति लोकप्रिय कलात्मक रूपों यानि सिनेमा फिल्मी गीतों आदि में मौजूद राष्ट्रीयता बोध से परिपूर्ण भावों की प्रभावशाली व्याप्ति के अवगाहन से स्वयं को ऊर्जस्वित एवं स्पंदित कर सकेगा।</td></tr>
<tr><td>CREDITS: 5</td><td>MAX MARKS: 25+75</td><td>MIN. PASSING MARKS: 10+30</td></tr>
<tr><td colspan="3">Total No. of Lectures - Tutorials-Practical (in hours per week): 3-0-0 or 2-1-0 etc.</td></tr>
</table>

Unit	Topic	No. of Lectures
I	**वीरगाथाकाल का राष्ट्रीय काव्य :** चंदबरदाई : पृथ्वीराज रासो के रेवा तक समय के अंश (चढ़ती राज पृथ्वीराज) जगनिक : आल्हखंड नैनागढ़ की लड़ाई अथवा आल्हा का विवाह खंड [प्रथम पाँच सुमिरन अंश (गया न किन्हीं जिन कलजउग मां------भयानक मार) अंतिम पाँच अंश (भोर भुरहरे -------लड़िहैं खूब बीर मलखान)]	09
II	**भक्ति एवं रीतिकाल का राष्ट्रीय काव्य :** गुरु गोविन्द सिंह : देहु शिवा वर मोहि इहे, बाण चले तेरी कुंकुम मानो, यों सुनि के बतियाने तिह की भूषण : इन्द्र जिमि जम्भ पर, बांधे फहराने, निज म्यान तें मयूखऐं, दारुन दहत हरनाकुस बिदारिबे कों	09

III	**भारतेन्दु एवं द्विवेदीयुगीन राष्ट्रीय काव्य :** भारतेन्दु हरिश्चन्द्र : उन्नतचितह्वैआर्य परस्पर प्रीत बढ़ावें, बल कलाकौशल अमित विद्या वत्स भरे मिल लहै, भीतर भीतर सब रस चूसै, सब गुरुजन को बुरो बतावै अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध' : कर्मवीर, जन्मभूमि मैथिलीशरण गुप्त : आर्य, मातृभूमि	09
IV	**छायावाद युगीन राष्ट्रीय काव्य :** जयशंकर प्रसाद : प्रयाण गीत (हिमाद्रि तुंग श्रृंग), अरुण यह मधुमय देश हमारा सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' : भारती वंदना (भारतिजय विजय करे), जागो फिर एक बार माखनलाल चतुर्वेदी : पुष्प की अभिलाषा, जवानी सुभद्रा कुमारी चौहान : वीरों का कैसा हो बसंत, झाँसी की रानी	09
V	**छायावादोत्तर राष्ट्रीय काव्य :** बालकृष्ण शर्मा नवीन : कवि कुछ ऐसी तान सुनाओ, कोटि कोटि कंठों से निकली आज यही स्वर धारा है रामधारी सिंह 'दिनकर' : शहीद स्तवन (कलम आज उनकी जय बोल), हिमालय श्यामलाल गुप्त 'पार्षद' : झंडा गीत (विजयी विश्व तिरंगा प्यारा)	09
VI	**समकालीन राष्ट्रीय काव्य प्रथम चरण :** श्याम नारायण पाण्डेय : चेतक की वीरता, राणा प्रताप की तलवार द्वारिका प्रसाद माहेश्वरी : उठो धरा के अमर सपूतों, वीर तुम बढ़े चलो गोपाल प्रसाद व्यास : खूनी हस्ताक्षर, शहीदों में तू नाम लिखा ले रे	10
VII	**समकालीन राष्ट्रीय काव्य द्वितीय चरण :** सोहनलाल द्विवेदी : मातृभूमि, तुम्हें नमन (चल पड़े जिधर दो डग मग में) अटलबिहारी वाजपेयी : कदम मिलाकर चलना होगा, उनकी याद करें	10
VIII	**हिन्दी फ़िल्मी गीतों में राष्ट्रीय काव्य :** कवि प्रदीप : आज हिमालय की चोटी से फिर हमने ललकारा है (किस्मत – 1943 , ऐ मेरे वतन के लोगों जरा आँख में भर लो पानी (ग़ैर फ़िल्मी), हम लाए हैं तूफ़ान से कश्ती निकाल के (जाग्रति-1954), आओ बच्चों तुम्हें दिखाएँ झांकी हिंदुस्तान की (जाग्रति-1954) साहिर लुधियानवी : साथी हाथ बढ़ाना (नया दौर-1954) प्रेम धवन : छोड़ो कल की बातें कल की बात पुरानी (हम हिन्दुस्तानी–1961) नीरज : ऐ मेरे प्यारे वतन (काबुलीवाला – 1961) कैफ़ी आज़मी : कर चलें हम फ़िदा जाने तन साथियों (हकीकत-1964) राजेन्द्र कृष्ण : जहाँ डाल-डाल पर सोने की चिड़िया (फिल्म – सिकंदर-आजम-1965) गुलशन बावरा : मेरे देश की धरती सोना उगले (उपकार-1967) गुलज़ार : ए वतन, मेरे वतन आबाद रहे तू (राजी-2018) इसरार अंसारी : जिंदगी मौत न बन जाये (सरफ़रोश – 1999)	10
	सेशनल अथवा सत्रीय परीक्षा (प्रायोगिक कार्य) :	

	सत्रीय परीक्षा में विद्यार्थी को आन्तरिक मूल्यांकन के अंतर्गत 25 अंक की प्रायोगिक परीक्षा देनी होगी, जसके अंतर्गत विद्यार्थियों को निम्नलिखित फिल्मों में से कोई एक फिल्म देखकर उसकी समीक्षा तथा उसमें वर्णित सन्देश परियोजना कार्य के रूप में आन्तरिक मूल्यांकन के अंतर्गत मूल्यांकन हेतु जमा करना होगा- आनंदमठ हकीक़त उपकार शहीद गाँधी उरी: द सर्जिकल स्ट्राइक केसरी	

सन्दर्भ ग्रन्थ:

1. तिवारी, उदयनारायण, वीर काव्य, भारती भण्डार, प्रयाग, प्रथम संस्करण, संवत 2005वि.
2. चंदबरदाई, पृथ्वीराज रामो मोहनलाल विष्णुलाल पंड्या और श्याम सुन्दर दास, नागरी प्रचारणी सभा, वाराणासी, प्रथम संस्करण, मन1906
3. सिंह, शांता, चंदबरदाई, साहित्य अकादेमी, नवी दिल्ली, पुनर्मुद्रण सन 2017
4. कुमुद अयोध्याप्रसाद गुम, साहित्य अकादेमी, नवी दिल्ली, पुनर्मुद्रण सन 2014
5. आल्हखण्ड, ई पुस्तकालय डॉट कॉम
6. श्यामसुंदरदास (संपा.), परमाल रासो, नागरी प्रचारणी सभा, वाराणसी प्रथम संस्करण
7. सिंह, डॉ. महीप गुर गोबिन्द सिंह और उनका काव्य नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली, सन 1969 प्रथम संस्करण
8. बोरा, राजमल, भूषण, साहित्य अकादेमी, नयी दिल्ली, पुनर्मुद्रण सन 2017
9. मिश्र, आचार्य विश्वनाथ प्रसाद, वाणी वितान, वाराणसी, संवत 2010 वि
10. ब्रजरत्न दास, भारतेंदु ग्रंथावली, वाराणसी
11. गिरीश, गिरिजदन शुक्ल, महाकवि हरिजीध, अरुणोदय पब्लिशिंग हाउस, प्रयाग, सन 1932
12. पालीवाल, डॉ. कृष्णदत्त, मैथिलीशरण गुप्त ग्रंथावली. वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली, सन 2008
13. व्यास, विनोद शंकर (संपा.), प्रसाद और उनका साहित्य, विद्या भास्कर बुक डिपो, वाराणनी
14. बाजपेयी, नंददुलारे, जयशंकर प्रसाद, सीडर प्रेम, इलाहाबाद
15. बिसारिया, डॉ. पुनीत, भारतीय सिनेमा का सफरनामा, अटलांटिक पब्लिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड, नयी दिल्ली, 2014
16. अरुण डॉ. योगेन्द्रनाथ शर्मा एवं कन्डियाल, बेचैन, हिमवंत का राष्ट्रीय कवि निशंक अनंग प्रकाशन, दिल्ली , 2020
17. बिसारिया, डॉ. पुनीत सेरेनानि पनि एंड डिस्ट्रीक्टर्स प्राइवेट लिमिटेड, नई दिल्ली, 2007
18. kavitakosh.org

19. epustakalay.com 20. ndl.iitkgp.ac.in (National digital library of India) 21. hindigeetmala.net		
	This course can be opted as an elective by the students of following subjects: इंटरमीडिएट अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके समस्त विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम का चयन कर सकते हैं।	
	Suggested Continuous Evaluation Methods : लिखित परीक्षा,परियोजना कार्य, दक्षता परीक्षण	
	Suggested Continuous Evaluation Methods: 1. फिल्म विशेष के संदेश पर परियोजना कार्य 2. वाचन	
	Course prerequisites :To study this course, a student must have had the subject in class/12th/certificate/diploma सभी के लिए (सामान्य हिन्दी भाषा का ज्ञान अपेक्षित)	
	Suggested equivalent online courses :	
	Further Suggestions	

At the End of the whole syllabus any remarks/suggestions:

सामान्य अनुदेश समय : 3 घंटे	
	पूर्णांक 75
वस्तुनिष्ठ प्रश्न (अधिकतम 50 शब्द)	5 x 2= 10
लघु उत्तरीय प्रश्न (अधिकतम 100 शब्द)	5 x 5 = 25
दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (अधिकतम 400 शब्द)	4 x 10= 40

मध्यावधि परीक्षण **(Mid Term Test)**	पूर्णांक 25
मिड-टर्म परीक्षा हेतु 25 अंक निर्धारित हैं। मिड-टर्म परीक्षा का स्वरूप निम्नवत है- 1. 05 अंक का बहुविकल्पीय प्रश्न-पत्र निर्मित कर मूल्यांकन होगा। (इस हेतु 10-10 प्रश्न के दो बहुविकल्पीय प्रश्न-पत्र सेट बनाये जायेंगे) 2. 05 अंक का आवंटन सेमिनार/लेखन क्षमता हेतु निर्धारित है। 3. 10 अंक का परियोजना कार्य (05 अंक का अधिन्यास लेखन + 05 अंक की मौखिकी परीक्षा/प्रस्तुतिकरण) छात्र - छात्राओं को आवंटित कर मूल्यांकन किया जाएगा। 4. 05 अंक का आवंटन छात्र/छात्राओं की उपस्थिति/अन्य शैक्षिक गतिविधियों हेतु निर्धारित है।	

PROGRAMME/CLASS:	BA III YEAR	SEMESTER: VI
Subject: Hindi		
COURSE CODE: A010607T	COURSE TITLE: भाषा विज्ञान, हिन्दी भाषा एवं देवनागरी लिपि	

पाठ्यक्रम का उद्देश्य:

भाषा के अंगों, हिन्दी भाषा के उद्भव और विकास तथा देवनागरी लिपि के स्वरुप की जानकारी प्राप्त होगी। विद्यार्थियों को हिन्दी की वैज्ञानिक एवं वैधानिक स्थिति से परिचित कराना।

1. इकाई 1
   भाषा की परिभाषा, भाषा की निर्मिती एवं इसके स्वरूप से परिचित कराना।
2. इकाई 2
   भाषा-विज्ञान के स्वरुप का आकलन करना। भाषा की संरचना एवं इसके विभिन्न स्तरों का संज्ञान करना।
3. 3,4,5 इकाई का संभावित अध्ययन द्वारा हिन्दी भाषा के विकासात्मक स्वरूप का अवबोध विकसित करना।
4. 5,6,7 इकाई के द्वारा हिंदी की वैधानिक, संवैधानिक स्थिति से परिचित कराना। हिंदी की लिपि देवनागरी की वैज्ञानिकता, शक्ति एवं सीमाओं का बोध कराना।
5. इकाई 8
   हिंदी के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देनेवाली भोजपुरी व अवधी उप-भाषाओं के भाषा विज्ञान, व्याकरण, शब्द संपदा, वाक्य-विन्यास आदि सिख सकेंगे।

अध्ययन परिणाम:

1. इकाई 1
   अध्ययनोपरंत विद्यार्थी भाषा एवं भाषा विज्ञान की परिभाषा प्रारूप एवं प्रयोग से अवगत हो सकेंगे इसकी विभिन्न शाखाओं के आयामों को जान सकेंगे।
2. इकाई 2
   अध्ययनों परांत विद्यार्थी हिंदी भाषा की संरचना एवं इसके विभिन्न स्तरों से परिचित हो सकेंगे।
3. 3,4,5 इकाइयों के अध्ययन उपरांत विद्यार्थी हिंदी भाषा की उत्पत्ति विकास एवं विभिन्न परिवर्तनों की वैज्ञानिक समझ विकसित कर सकेंगे।
4. हिंदी की व्यापक और लचीली शब्द परंपरा को जान सकेंगे और इसकी निर्मिती में उप भाषाओं व बोलियों के महत्व को रेखांकित कर सकेंगे।
5. 5,6,7 इकाइयों के अध्ययनों परांत विद्यार्थी हिंदी भाषा की वैज्ञानिक एवं संवैधानिक स्थितियों से परिचित हो सकेंगे। हिंदी को सशक्त बनाने के लिए उपस्थित संवैधानिक उपादानो की स्वयं भी पहचान

कर सकेंगे। हिंदी की अपनी लिपि देवनागरी की वैज्ञानिकता को समझते हुए इसकी शक्ति एवं सीमाओं के प्रति समझ विकसित कर सकेंगे।

6. इकाई 8

अध्ययनोपरंत विद्यार्थी हिंदी भाषा की व्यवस्थित ध्वन्यात्मक वाक्य विन्यास आत्मक शब्द संपदा के स्तर पर एवं सांस्कृतिक अवसर को चिन्हित करते हुए थानीयता और विश्वसनीयता की पारस्परिकता को समझने की क्षमता विकसित कर पाएंगे।

CREDITS : 5	MAX MARKS : 25+75	MIN. PASSING MARKS : 10+30

Total No. of Lectures - Tutorials-Practical (in hours per week): 3-0-0 or 2-1-0 etc.

Unit	Topic	No. of Lectures
I	**भाषा एवं भाषा विज्ञानं का सामान्य परिचय :** भाषा: परिभाषा, स्वरुप, अभिलक्षण भाषाविज्ञान : परिभाषा, प्रकार, क्षेत्र, शाखाएँ	09
II	**भाषिक संरचना तथा स्तर:** ध्वनि शब्द रूप वाक्य प्रोक्ति अर्थ	09
III	**हिन्दी भाषा का उत्पत्ति तथा विकास:** पृष्ठभूमि अपभ्रंश अवहट्ट पुरानी हिन्दी मानक हिन्दी	09
IV	**हिन्दी शब्द सम्पदा और उसके मूल स्त्रोत:** हिन्दी ध्वनियों का वर्गीकरण आधार – बाह्य प्रयत्नं, आभ्यंतर प्रयत्नं, उच्चारण स्थान, प्राणत्व और अनुनासिकता	09
V	**हिन्दी की उपभाषाओं तथा बोलियों का परिचय:** पश्चिमी हिन्दी	09

	पूर्वी हिन्दी पहाड़ी हिन्दी राजस्थानी हिन्दी बिहारी हिन्दी	
VI	**हिन्दी की वैधानिक एवं संवैधानिक स्थिति:** राजभाषा आयोग राजभाषा आधिनियम तथा उनका विश्लेषण संवैधानिक प्रावधान तथा उसका विश्लेषण	10
VII	**देवनागरी लिपि:** नामकरण उद्भव और विकास विशेषताएं वैज्ञानिकता समस्या सुधार	10
VIII	**क्षेत्रीय बोली का विशेष अध्ययन (अवधि और भोजपुरी के विशेष सन्दर्भ में):** क्षेत्रीय बोली का विकास क्रम क्षेत्रीय बोली का साहित्यिक विकास	10
	संदर्भ ग्रन्थ: 1. शर्मा आचार्य देवेन्द्रनाथ, भाषा विज्ञान की भूमिका, राधाकृष्ण प्रकाशन, दरियागंज नई दिल्ली, 1972 2. द्विवेदी कपिलदेव भाषा-विज्ञान एवं भाषा-शास्त्र विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 1980 3. शर्मा डॉ. रामकिशोर, हिन्दी भाषा का ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य विद्याप्रकाशन, इलाहाबाद, 1994 4. तिवारी भोलानाथ, हिन्दी भाषा का इतिहास, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 1987 5. त्रिपाठी सत्यनारायण, हिन्दी भाषा और लिपि का ऐतिहासिक विकास, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 1981 6. शर्मा राजमणि, हिन्दी भाषा: इतिहास एवं स्वरूप, वाणी प्रकाशन, नईदिल्ली, 2014 7. तिवारी भोलानाथ, भाषाविज्ञान, किताबमहल, इलाहाबाद, 1999 8. वर्मा डॉ. धीरेन्द्र, हिन्दी भाषा और लिपि, हिन्दुस्तानी एकेडमी, प्रयाग, 1951 9. बाहरी हरदेव, हिन्दी भाषा, अभिव्यक्ति प्रकाशन, दिल्ली, 2017	

	10. बाहरी हरदेव, हिन्दीउ द्भव, विकास और रूप, किताबमहल, इलाहाबाद, 42वॉसंस्करण, 2018	
	This course can be opted as an elective by the students of following subjects: इंटरमीडिएट अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके समस्त विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम का चयन कर सकते हैं।	
	Suggested Continuous Evaluation Methods : लिखित परीक्षा,परियोजना कार्य, दक्षता परीक्षण	
	Suggested Continuous Evaluation Methods: कृति विशेष के भाषिक विश्लेषण पर परियोजना कार्य	
	Course prerequisites:To study this course, a student must have had the subject in class/12th/certificate/diploma सभी के लिए (सामान्य हिन्दी भाषा का ज्ञान अपेक्षित)	
	Suggested equivalent online courses :	
	Further Suggestions	

At the End of the whole syllabus any remarks/suggestions:

सामान्य अनुदेश समय : 3 घंटे	
	पूर्णांक 75
वस्तुनिष्ठ प्रश्न (अधिकतम 50 शब्द)	5 x 2= 10
लघु उत्तरीय प्रश्न (अधिकतम 100 शब्द)	5 x 5 = 25
दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (अधिकतम 400 शब्द)	4 x 10= 40
मध्यावधि परीक्षण **(Mid Term Test)**	पूर्णांक 25

मिड-टर्म परीक्षा हेतु 25 अंक निर्धारित हैं। मिड-टर्म परीक्षा का स्वरूप निम्नवत है- 1. 05 अंक का बहुविकल्पीय प्रश्न-पत्र निर्मित कर मूल्यांकन होगा। (इस हेतु 10-10 प्रश्न के दो बहुविकल्पीय प्रश्न-पत्र सेट बनाये जायेंगे) 2. 05 अंक का आवंटन सेमिनार/लेखन क्षमता हेतु निर्धारित है। 3. 10 अंक का परियोजना कार्य (05 अंक का अधिन्यास लेखन + 05 अंक की मौखिकी परीक्षा/प्रस्तुतिकरण) छात्र - छात्राओं को आवंटित कर मूल्यांकन किया जाएगा। 4. 05 अंक का आवंटन छात्र/छात्राओं की उपस्थिति/अन्य शैक्षिक गतिविधियों हेतु निर्धारित है।	

PROGRAMME/CLASS:	BA III YEAR	SEMESTER: VI
Subject: Hindi		
COURSE CODE: A010602T	COURSE TITLE: लोक साहित्य एवं लोक संस्कृति	

पाठ्यक्रम का उद्देश्य:

भारतीय संस्कृति में जनश्रुति से निर्मित साहित्य के महत्वपूर्ण योगदान से विद्यार्थियों को परिचित कराना तथा लोक संस्कृति के विकास से विद्यार्थियों को अवगत कराना।

1. इकाई 1
   लोक-साहित्य की विविधता से विद्यार्थियों को परिचित कराना।
2. इकाई 2
   लोक-साहित्य एवं शिष्ट साहित्य के अंतर्संबंध में परिचित कराना।
3. इकाई 3
   विद्यार्थियों को लोक-साहित्य, लोक-संस्कृति एवं राष्ट्रीय एकता से परिचित कराना।
4. इकाई 4
   विद्यार्थी लोक-साहित्य के विविध आयामों से परिचित होंगे तथा उसके संकलन, संरक्षण एवं संवर्धन की तरफ उन्मुख होंगे।
5. इकाई 5
   विद्यार्थी लोक-साहित्य की विविध विधाओं से परिचित हो सकेंगे।
6. इकाई 6
   विद्यार्थी लोकोक्तियों, मुहावरों एवं पहेलियों आदि के पारम्परिक महत्व से परिचित हो सकेंगे।
7. इकाई 7
   विद्यार्थी लोक-साहित्य के क्रमिक विकास से परिचित हो सकेंगे।
8. इकाई 8
   विद्यार्थी लोक-साहित्य के क्षेत्रीय (आँचलिक) स्वरूप से परिचित हो सकेंगे।

अध्ययन परिणाम:

1. इकाई 1
   अध्ययनोपरांत विद्यार्थी लोक-साहित्य की उपादेयता एवं इसके व्यावहारिक पक्ष को समझ सकेंगे।
2. इकाई 2
   अध्ययनोपरांत विद्यार्थी लोक-साहित्य एवं शिष्ट साहित्य के व्यावहारिक पहलुओं को समझ सकेंगे।
3. इकाई 3

अध्ययनोपरांत विद्यार्थी लोक-साहित्य एवं लोक-संस्कृति के विविध पहलुओं के माध्यम से राष्ट्रीय एकता के सूत्र को समझ सकेंगे ।

4. इकाई 4
   अध्ययनोपरांत विद्यार्थी लोक-साहित्य की महत्ता को समझ सकेंगे तथा उसके उन्नयन हेतु प्रयासरत होंगे ।
5. इकाई 5
   अध्ययनोपरांत विद्यार्थी लोक-साहित्य की विविध विधाओं के व्यावहारिक एवं सैद्धांतिक पक्ष को समझ सकेंगे।
6. इकाई 6
   अध्ययनोपरांत विद्यार्थी लोकोक्तियों, मुहावरों एवं पहेलियों के व्यावहारिक एवं सैद्धांतिक पक्ष को समझ सकेंगे ।
7. इकाई 7
   अध्ययनोपरांत विद्यार्थी लोक-साहित्य के इतिहास एवं उसकी सीमा और संभावना के प्रति समझ विकसित कर सकेंगे ।
8. इकाई 8
   अध्ययनोपरांत विद्यार्थी लोक-साहित्य के क्षेत्रीय स्वरूप यथा- कजरी, बिरहा आदि के प्रति अपनी समझ विकसित कर सकेंगे ।

CREDITS : 5	MAX MARKS : 25+75	MIN. PASSING MARKS : 10+30

Total No. of Lectures - Tutorials-Practical (in hours per week): 3-0-0 or 2-1-0 etc.

Unit	Topic	No. of Lectures
I	**लोक साहित्य का सामान्य परिचय:** लोक साहित्य : परिभाषा, क्षेत्र, वर्गीकरण	09
II	**लोक साहित्य और शिष्ट साहित्य:** लोक साहित्य और शिष्ट साहित्य का पारस्परिक सम्बन्ध	09
III	**लोक साहित्य, लोक संस्कृति एवं राष्ट्रीय एकता:** लोक साहित्य में लोक संस्कृति का चित्रण, लोक संस्कृति और राष्ट्रीय एकता	09
IV	**लोक साहित्य का संकलन, संरक्षण, एवं संवर्धन:** लोक साहित्य संकलन, संरक्षण एवं संवर्धन, राष्ट्रीय जीवन में लोक साहित्य का महत्व	09
V	**लोक साहित्य की विविध विधाएँ:**	09

	लोक गीत, लोक कथा, लोक नाट्य, लोक नृत्य एवं लोक संगीत	
VI	**लोक का प्रकीर्ण साहित्य:** लोकोक्तियाँ, मुहावरे एवं पहेलियाँ- परंपरा एवं महत्व	10
VII	**हिन्दी लोक साहित्य का विकास क्रम:** हिन्दी का लोक साहित्य, इतिहास : अध्ययन की सीमाएँ एवं आवश्यकताएँ, हिन्दी का लोक साहित्य एवं बोलियाँ	10
VIII	**हिन्दी के विभिन्न क्षेत्रीय (आंचलिक) लोक साहित्य का परिचय:** भोजपुरी संत साहित्य की परंपरा तथा काशी की काशिका में लिखी गई तेग अली की गज़ल 'बदमाश दर्पण', कजरी, बिरहा आदि	10
	संदर्भ ग्रन्थ: 1. प्रसाद, डॉ दिनेश्वर, लोक साहित्य और संस्कृति लोक भारती प्रकाशन प्रयागराज, 1973 2. शर्मा, डॉ. श्रीराम, लोकमाहित्य सिद्धात और प्रयोग, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा, 1973 3. सक्सेना, डॉ. उपा. लोक साहित्य एवं लोक संस्कृति, राजभाषा प्रकाशन, दिल्ली, 2007) 4. उपाध्याय, कृष्णदेव, लोक साहित्य की भूमिका साहित्य भवन प्राइवेट लिमिटेड, प्रयागराज, 1957 5. सुमन , रामनाथ, संपादक सम्मेलन पत्रिका, लोक संस्कृति विशेषांक, प्रयागराज, संवत 2010 6. मिश्र, प्रो. चितरंजन एवं ओझा, दुर्गाप्रसाद, समकालीन हिन्दी एवं अवधी कविता प्रकाशन केंद्र, लखनऊ, 2019 7. मिश्र, डॉ. श्रीधर, भोजपुरी लोक साहित्य सांस्कृतिक अध्ययन हिंदुस्तानी एकेडमी प्रयागराज, 1971 8. यादव, डॉ वीरेंद्र सिंह, भारत का लोक सांस्कृतिक विमर्श, कौटिल्य बुक्स नई दिल्ली, 2018 9. बिसारिया, डॉ. पुनीत एवं यादव, डॉ. वीरेंद्र सिंह, भोजपुरी विमर्श, निर्मल पब्लिकेशन्स, दिल्ली, 2009 10. डॉ. सत्येंद्र, लोक साहित्य विज्ञान, शिवलाल अग्रवाल कंपनी, आगरा, 1971 11. बिसारिया, डॉ. पुनीत, बुन्देली महिमा, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली. 2017 12. बिसारिया, डॉ. पुनीत, बुन्देली काव्यधारा, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली, 2019 13. उपराध्याय, कृष्णदेव, भोजपुरी लोक का अध्ययन, हिन्दी प्रचारक पुस्तकालय, वाराणसी, 1949	

	14. सत्येन्द्र ब्रज की नोक कहानिया, ब्रज साहित्य मंडल, मथुरा 15. सत्येन्द्र, ब्रज लोक साहित्य का अध्ययन साहित्य रत्न भंडार आगरा 16. बिसारिया, डॉ. पुनीत, शोध कैसे करें, अटलांकि पब्लिशर्स एंड रिस्ट्रीब्यूटर्स प्राइवेट लिमिटेड, नयी दिल्ली, 2007	
	This course can be opted as an elective by the students of following subjects: इंटरमीडिएट अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके समस्त विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम का चयन कर सकते हैं।	
	Suggested Continuous Evaluation Methods : लिखित परीक्षा,परियोजना कार्य, दक्षता परीक्षण	
	Suggested Continuous Evaluation Methods: कृति विशेष के भाषिक विश्लेषण पर परियोजना कार्य वाचन	
	Course prerequisites:To study this course, a student must have had the subject in class/12th/certificate/diploma सभी के लिए (सामान्य हिन्दी भाषा का ज्ञान अपेक्षित)	
	Suggested equivalent online courses :	
	Further Suggestions	

At the End of the whole syllabus any remarks/suggestions:

सामान्य अनुदेश समय : 3 घंटे	
	पूर्णांक 75
वस्तुनिष्ठ प्रश्न (अधिकतम 50 शब्द)	5 x 2= 10
लघु उत्तरीय प्रश्न (अधिकतम 100 शब्द)	5 x 5 = 25
दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (अधिकतम 400 शब्द)	4 x 10= 40

मध्यावधि परीक्षण **(Mid Term Test)**	पूर्णांक 25
मिड-टर्म परीक्षा हेतु 25 अंक निर्धारित हैं। मिड-टर्म परीक्षा का स्वरूप निम्नवत है- 1. 05 अंक का बहुविकल्पीय प्रश्न-पत्र निर्मित कर मूल्यांकन होगा। (इस हेतु 10-10 प्रश्न के दो बहुविकल्पीय प्रश्न-पत्र सेट बनाये जायेंगे) 2. 05 अंक का आवंटन सेमिनार/लेखन क्षमता हेतु निर्धारित है। 3. 10 अंक का परियोजना कार्य (05 अंक का अधिन्यास लेखन + 05 अंक की मौखिकी परीक्षा/प्रस्तुतिकरण) छात्र - छात्राओं को आवंटित कर मूल्यांकन किया जाएगा। 4. 05 अंक का आवंटन छात्र/छात्राओं की उपस्थिति/अन्य शैक्षिक गतिविधियों हेतु निर्धारित है।	